

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में ई-रिक्शा का पंजीयन जरूरी होगा, 2.5 लाख से ज्यादा नहीं चलेंगे; मसौदा नीति जारी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार राजधानी में ई-रिक्शा के संचालन को व्यवस्थित करने के लिए नई नीति लाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए नीति का मसौदा जारी कर आम जनता और संबंधित हितधारकों से सुझाव मांगे गए हैं। प्रस्तावित नीति में दिल्ली में ई-रिक्शा की कुल संख्या 2.5 लाख तक सीमित रखने का प्रावधान किया गया है। साथ ही, एक व्यक्ति के नाम पर अधिकतम पांच ई-रिक्शा के संचालन की अनुमति देने का प्रस्ताव है। सरकार ने मसौदे पर 30 दिनों के भीतर अपनी राय और सुझाव देने को कहा है। प्रस्तावित नीति के अनुसार, किसी भी ई-रिक्शा को तब तक सड़कों पर चलाने की अनुमति नहीं होगी, जब तक उसका परिवहन वाहन के रूप में पंजीकरण नहीं हो जाता और उसे वैध ई-रिक्शा अनुपालन प्रमाणपत्र (ईसीसी) जारी नहीं कर दिया जाता। इस व्यवस्था का उद्देश्य ई-रिक्शा के पंजीकरण, संचालन और सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करना है।

पंडाल गिर जाएगा, कृपया बाहर निकल जाएं, इस घोषणा के बाद मची भगदड़

कोलकाता। कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि महासम्मेली के उत्सव के दौरान अचानक तेज बारिश के बाद भीड़ का उचित प्रबंधन नहीं किए जाने और भ्रामक घोषणाओं के कारण लोगों में घबरहाट फैल गई होगी, जिससे उत्तर कोलकाता के चौरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ मच गई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी रविवार सुबह कोलकाता पहुंचे। उन्होंने घायलों से मुलाकात की। उनके साथ पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी भी मौजूद थे। पुलिस अधिकारी ने कहा कि परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के साथ-साथ स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों से संकेत मिलता है कि शनिवार शाम पंडाल में भीड़ नियंत्रण के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे, जिससे यह घटना हुई। पुलिस ने यह भी पाया कि आयोजन स्थल पर तैनात पुलिसकर्मियों और निजी सुरक्षा गार्डों की संख्या पर्याप्त नहीं थी, जिससे स्थिति और बिगड़ गई।

अवकाश सूचना

विजयादशमी दशहरा के पावन पर्व पर दैनिक लोकतंत्र प्रहरी के कार्यालय में 20 अक्टूबर दिन मंगलवार को अवकाश रहेगा। अगला अंक 22 अक्टूबर दिन मंगलवार को आपके सामने होगा।

प्रबंधक शुभकामनाएं.... सभी संवाददाताओं, विज्ञापन दाताओं एवं पाठकों को असत्य पर सत्य, अधर्म पर धर्म और बुराई पर अक्काई की विजय के प्रतीक पावन पर्व विजयादशमी एवं दशहरा की आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रभु श्रीराम की कृपा से आप सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली आए तथा हमारा छत्तीसगढ़ प्रदेश निरंतर विकास, उन्नति और खुशहाली के नए आयाम स्थापित करें।

संपादक दैनिक समय दर्शन

सीएम हाऊस के बाहर शव रखकर प्रदर्शन, पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी

मणिपुर में 24 घंटे में 4 लोगों की हत्या के बाद हुआ बवाल

इंफाल/ एजेंसी

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर ढाई साल से हिंसा की आग में जल रहा है। एक बार फिर मणिपुर में 24 घंटे में 4 लोगों की हत्या के बाद बवाल मच गया है। मणिपुर के इंपल में जलावन की लकड़ी लेने गए मैतेई कम्युनिटी के 3 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या से आक्रोशित लोगों ने शवों को सीएम हाऊस के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया। मामले को संभालने के लिए पुलिस को आंसू गैस छोड़नी पड़ी। वहीं इससे पहले रविवार रात दो थौबल जिले में दो समुदायों के बीच झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। सोमवार को जंगल से लकड़ी लेने गए तीन लोगों की उग्रवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना कांगपोपकी के खल्लबाल सुनुरोक उद्योक में हुई। यह इम्फल ईस्ट के नोंगशुम गांव से कुछ मीटर की दूरी पर है। जानकारी के मुताबिक सोमवार सुबह करीब 7 बजे 16 लोग लकड़ी लेने पहाड़ियों पर गए थे। इसी दौरान सैद्धिग उग्रवादियों ने कथित तौर पर हमला कर तीन लोगों की हत्या कर दी। मृतकों की पहचान अरुबाम रोनिन (35) और लैरेनलकपम इनाओबी (51), क्षेत्रियायुम सुशील(32) के रूप में हुई है। घटना से आक्रोशित लोगों ने शवों को राज्य की राजधानी इम्फल ले आए। उन्होंने बाबूपारा स्थित मुख्यमंत्री आवास के मुख्य गेट के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया। स्थिति बिगड़ने पर सुरक्षाकर्मियों ने आंसू गैस के गोले छोड़े, ताकि भीड़ को वहां से हटाया जा सके। इसके बाद शवों को जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ले जाया गया। प्रदर्शन के दौरान मुख्यामंत्री वाई खेमचंद सिंह आवास पर मौजूद थे या नहीं इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। दो लोगों की मौत के बाद सीएम युमनाम खेमचंद सिंह के सरकारी बंगले के बाहर शव छोड़े जाने की घटना ने प्रशासन के सामने कानून-व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती खड़ी कर दी। मौके पर जमा लोगों के



मणिपुर में 24 घंटे में 4 लोगों की हत्या

केशकाल घाट में दर्दनाक हादसा:पत्थर से टकराई माजदा उसकी चपेट में आई बाइक,दो युवकों की मौके पर मौत

केशकाल। बस्तर संभाग के प्रवेश द्वार कहे जाने वाले केशकाल घाट में एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। दोपहरिया वाहन से रायपुर की ओर जा रही माजदा पत्थर से टकरा गई, इसी दौरान चनागांव से दोपहरिया वाहन पर आ रहे दो युवक माजदा से टकरा गए। हादसा इतना गंभीर था कि दोनों युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी सामने आने के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। वहीं, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतकों की पहचान संदीप कुंजाम (24 वर्ष) एवं पुटिम मटकम (21 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों धमतरी जिले के केरेगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चनागांव के निवासी थे। बताया जा रहा है कि दोनों युवक अपने गांव से दोपहरिया वाहन पर सवार होकर जगदलपुर की ओर निकले थे। इसी दौरान केशकाल घाट के नीचे मंदिर के पास स्थित मोड़ पर उनका वाहन पत्थर से टकरा गया। इस दुर्घटना में दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। केशकाल घाट आगनी पुमावदार सड़क और डलान के लिए जाना जाता है। घाट मार्ग पर वाहन चालकों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता होती है।

आक्रोश को देखते हुए सुरक्षा कर्मियों ने स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई। प्रशासन की प्राथमिकता स्थिति को और बिगड़ने से रोकना और शांति बनाए रखना है। फिलहाल, घटना से जुड़े अन्य पहलुओं और प्रशासन की आगे की कार्रवाई को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आने का इंतजार है। मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच मई 2023 से जारी जातीय संघर्ष ने राज्य की सुरक्षा और सामाजिक स्थिति को

प्रभावित किया है। हिंसा के कारण बड़ी संख्या में लोगों को विस्थापन का सामना करना पड़ा, जबकि शांति बहाली के प्रयासों के बावजूद राज्य में तनाव की स्थिति चुनौती बनी हुई है। ताजा घटना ने एक बार फिर राज्य में कानून-व्यवस्था और स्थायी शांति बहाली को लेकर चिंता बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री के सरकारी आवास के बाहर शव छोड़े जाने की घटना को लेकर लोगों की नाराजगी और सुरक्षा बलों की कार्रवाई ने मामले को संवेदनशील बना दिया है।



आशुतोष रांका और सौरभ दास मामले में

सीजेपी के सह-संयोजक पर एसईएम कोर्ट ने बढ़ाई दो दिन की और न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली/ एजेंसी

राजधानी दिल्ली में हुए सीजेपी के प्रोटेस्ट में सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका और सौरभ दास की हिरासत से जुड़े मामले में सोमवार को अदालत में सुनवाई हुई। दिल्ली पुलिस ने दोनों की न्यायिक हिरासत पांच दिन और बढ़ाने की मांग की। पुलिस का कहना है कि रिहा होने के बाद दोनों दोबारा प्रदर्शन कर सकते हैं, जिससे शांति और कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। इसी बीच कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी के नेता और सह-संयोजक सौरभ दास और आशुतोष रांका की



न्यायिक हिरासत दो दिनों के लिए बढ़ा दी गई है। सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका और सौरभ दास को 14 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के अनुसार, दोनों ने सुरक्षा घेरा पर

कर जंतर-मंतर में प्रवेश किया था। गौरतलब है कि सीजेपी 10 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर देशव्यापी प्रदर्शन की घोषणा की थी। इसी मामले से शांतिभंग के आरोप में पुलिस ने इन दोनों लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोप लगाया कि दोनों ने पहले शांति बनाए रखने और अच्छे आचरण से जुड़े बॉन्ड भरे थे, लेकिन इसके बावजूद प्रदर्शन का आह्वान किया। इसके बाद दोनों के खिलाफ कार्रवाई की गई और उन्हें पांच दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया गया था।

प.बंगाल के आसनसोल में एक फैक्ट्री में निर्माणाधीन चिमनी गिरने से चार मजदूरों की मौत

आसनसोल। कोलकाता में दुर्गा पूजा के दौरान भगदड़ से हुई मौतों के दुख के बीच आसनसोल में भी त्योहारों पर उदासी छा गई। सप्ती की रात जमुनिया में एक प्राइवेट स्पंज आवसन फैक्ट्री में बन रही चिमनी गिरने से चार मजदूरों की मौत हो गई जबकि एक और मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। चिमनी गिरने की वजह का पता लगाने और यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है कि कंस्ट्रक्शन के दौरान सफ्टी प्रोटोकॉल का पालन किया गया था या नहीं। हादसे के बाद लोकल लोगों और कुछ मजदूरों ने फैक्ट्री परिसर में अपना गुस्सा दिखाया। सूत्रों के मुताबिक जब पुलिस ने हालात को काबू में करने की कोशिश की तो प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हाथापाई हो गई।

बीएसपी पर भूपेश बघेल के बयान से सियासी पारा चढ़ा

सांसद लक्ष्मी वर्मा ने कांग्रेस पर सत्ता के लिए भ्रम फैलाने का लगाया आरोप

रायपुर। संवाददाता

अडानी समूह के संभावित भिलाई स्टील प्लांट दौरे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान से प्रदेश में सियासी पारा चढ़ गया है। भाजपा की राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने कांग्रेस पर जनता के बीच भ्रम फैलाने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही उन्होंने इस्पात मंत्रालय से भ्रम फैलाने वाले लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। भाजपा मुख्यालय कुशाभाउ ठाकरे परिसर में आयोजित प्रेसवार्ता में राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि भिलाई स्टील



प्लांट को लेकर कांग्रेस के लगातार बयान आ रहे हैं। कांग्रेस का बीएसपी पर दिया बयान भ्रामक है। सरकार स्टील उद्योग के आयुक्तिकरण के साथ विस्तार पर काम कर रही है। निकाय चुनाव के चलते भूपेश बघेल सबको भ्रमित कर रहे हैं। राज्यसभा सांसद

ने कहा कि कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगा रही है। बाहरी उद्योगपतियों के लिए कांग्रेस समर्पित है। कांग्रेस देश को अराजकता की ओर ले जाना चाहती है। मैं कांग्रेस को चेतावनी देना चाहती हूं, सत्ता की राजनीति के लिए जनता में भ्रम ना फैलाए, नगरीय निकाय चुनाव में भ्रामक झूठ फैलाने लो। ये आम जनता को बचना चाहिए, उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान पर आपत्ति जताते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई। लक्ष्मी वर्मा ने इस पूरे विवाद को नगरीय निकाय चुनाव से जोड़ते हुए कांग्रेस की भूमिका पर सवाल खड़े किए हैं।

बेचने निकला तो पुलिस ने रंगे हाथों दबोचा

आठ साल तक छिपाकर रखे हीरे,10.15 लाख का माल बरामद

धमतरी। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में स्थित पायलीखंड खदान क्षेत्र से हीरे जैसे बहुमूल्य पत्थर चोरी करने के मामले में धमतरी पुलिस ने 64 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस का आरोप है कि भाटपारा निवासी विनोद अग्रवाल इन पत्थरों को बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा था। उसके कब्जे से 146 नग पत्थर बरामद किए गए हैं, जिनका शुद्ध वजन 13.49 ग्राम बताया गया है। पुलिस ने जब्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत 10 लाख 15 हजार 200 रुपये आंकी है। धमतरी पुलिस के मुताबिक, 18 अक्टूबर को पुलिस की टीम इलाके में गश्त और अपराधों की पतासाजी कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि नेशनल हाईवे-30 पर कोड़ापार नहर

पुलिया के पास एक व्यक्ति बहुमूल्य पत्थर लेकर खड़ा है और उन्हें बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना मिलने के बाद बिरेझर पुलिस और साइबर थाने की टीम मौके पर पहुंची। घेराबंदी कर सैद्धिग को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम विनोद अग्रवाल, उम्र 64 वर्ष, निवासी केके वार्ड, भाटपारा, जिला बलीदाबाजार-भाटपारा बताया। पुलिस की तलाशी में आरोपी के पास पॉलीथीन में रखे 146 सफेद, चमकदार और पारदर्शी पत्थर मिले। ये नीले और फिरोजी रंग की झिल्ली में लिपटे हुए थे। पुलिस ने इन पत्थरों की हीरा बताया है। जब्त पत्थरों का कुल वजन 16.17 ग्राम और शुद्ध वजन 13.49 ग्राम दर्ज किया गया है। इनकी अनुमानित कीमत 10 लाख 5 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार,



आरोपी के मेमोरेंडम कथन में उसने पत्थरों के इन पत्थरों को वर्ष 2018 में गरियाबंद जिले के पायलीखंड खदान क्षेत्र से चोरी किया था। अब वह इन्हें बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था। इस कथन और बरामदगी के आधार

पर पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की। हीरे जैसे पत्थरों के अलावा पुलिस ने आरोपी के पास से सैमसंग नोटबुकx4 स21 स्मार्ट 5न मोबाइल फोन और दो सक्रिय सिम कार्ड भी जब्त किए हैं। मोबाइल की

अनुमानित कीमत 8 हजार रुपये बताई गई है। इसके साथ ही 2,200 रुपये नकद भी मिले हैं। पुलिस ने विनोद अग्रवाल के खिलाफ खान एवं खनिज अधिनियम की धारा 21(4) और भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया है। उसे 19 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार किया गया। पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, आरोपी को कुरुद स्थित न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। मामले में बरामद पत्थरों की प्रकृति, उनकी उत्पत्ति और चोरी से जुड़े तथ्यों की पुष्टि जांच के महत्वपूर्ण पहलू होंगे। धमतरी पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि अवैध खनिज उत्खनन, चोरी, तस्करी या सैद्धिग खरीद-बिक्री की जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचित करें।

डामर फैक्ट्री में लगी आग: मची अफरातफरी, मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम

रायपुर। राजधानी रायपुर के उरला औद्योगिक क्षेत्र में उसा तक हड़कप मच गया, जब टार फैक्ट्री में आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने में जुट गई। दरअसल, उरला थाना इलाके में स्थित Porwal Tar Products फैक्ट्री में यह आग लगी है। फैक्ट्री में मजदूर काम कर रहे थे। इसी वक फैक्ट्री में आग लग गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने में जुट गई। आशंका जताई जा रही कि प्रोसेसिंग के समय टार लीक होने से यह आग लगी। क्षतिग्रस्त जांच जारी है। बताया जा रहा है कि उरला औद्योगिक क्षेत्र स्थित Porwal Tar Products फैक्ट्री में दूसरी बार आग लगने की घटना सामने आई है।



आरोपियों की पहचान हरियाणा के सोनीपत निवासी 17 वर्षीय पूल सिंह, 18 वर्षीय रेहान और बिहार के बेगूसराय मूल निवासी 22 वर्षीय ऋतिक कुमार उर्फ रोशन के रूप में हुई है। ऋतिक मुंबई के

अंधेरी पश्चिम इलाके में रहता था और बाइक टेक्सी चालक के तौर पर काम करता था। पुलिस अब तीनों से पूछताछ कर रही है। जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि फयरिंग की साजिश कैसे रची गई, आरोपियों को किसने निर्देश दिए और इस घटना में अन्य लोग भी शामिल थे या नहीं। पुलिस के अनुसार, मुंबई में फयरिंग की घटना के बाद आरोपियों ने शहर से बाहर निकलने की कोशिश की थी। उनकी गतिविधियों और सफर से जुड़े सुरागों के आधार पर राजस्थान पुलिस को जानकारी मिली।

छाती में संक्रमण की वजह से थे भर्ती अस्पताल से डिस्चार्ज हुए लाल कृष्ण आडवाणी.....



नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। उन्हें छाती में संक्रमण के कारण 16 अक्टूबर को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल ने सोमवार को बताया कि 98 वर्षीय आडवाणी, न्यूरोलॉजी के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में थे और उनकी सेहत में सुधार हुआ है। बीजेपी के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक, आडवाणी ने कई दशकों तक भारतीय राजनीति में अहम भूमिका निभाई है। इससे पहले, उनके

अस्पताल में भर्ती होने की खबर मिलने पर देश भर के राजनीतिक नेताओं ने चिंता जताई और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने अपोलो अस्पताल जाकर आडवाणी से मुलाकात की और उनका हाल-चाल जाना।

रेंगाखार के जंगल में पेड़ों की कटाई से वन विभाग की निगरानी पर उठे सवाल

कक्ष क्रमांक 103 बोदलपानी में बड़ी संख्या में पेड़ काटे जाने का मामला

निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय करने की मांग

कवर्धा। जिले के रेंगाखार वन परिक्षेत्र में जंगलों की सुरक्षा और अवैध कटाई पर निरंत्रण को लेकर वन विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। वन परिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक 103 बोदलपानी में बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई का मामला सामने आने के बाद वन संपदा की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। जंगलों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सभालने वाले विभाग के वन क्षेत्र में इस तरह पेड़ों की कटाई होना गंभीर विषय है। अब इस मामले में संबंधित अधिकारियों की भूमिका, कटाई की परिस्थितियों और वन विभाग की निगरानी व्यवस्था की जांच की मांग उठ रही है। वन क्षेत्र पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ वन्यजीवों के संरक्षण और स्थानीय परिस्थितिकी के लिए भी महत्वपूर्ण है। ऐसे में जंगलों में पेड़ों की कटाई से प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुंचाने की आशंका रहती है। कक्ष



क्रमांक 103 में पेड़ों की कटाई का मामला सामने आने के बाद यह स्पष्ट किया जाना जरूरी है कि कितने पेड़ काटे गए, कटाई किन परिस्थितियों में हुई और इसके लिए विभागीय अनुमति ली गई थी या नहीं। इस मामले में सबसे अहम सवाल वन क्षेत्र की निगरानी को लेकर है। संबंधित वन कक्ष में वन संपदा की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने वाले मैदानी कर्मचारियों से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक की भूमिका की पड़ताल जरूरी है। क्या वनरक्षक, सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी, वन परिक्षेत्र अधिकारी और अनुविभागीय अधिकारी वन को

पेड़ों की कटाई की जानकारी थी? यदि जानकारी थी, तो कटाई रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए? वहीं, यदि अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं थी, तो नियमित गश्त और निगरानी व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

मौके का निरीक्षण कर कटे पेड़ों की संख्या तय करने की जरूरत—मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के लिए वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा संबंधित क्षेत्र का निरीक्षण कराया जाना जरूरी है। जांच में कटे हुए पेड़ों की संख्या, उनकी प्रजातियाँ, कटाई की परिस्थितियों और संभावित नुकसान का आकलन किया जाना चाहिए। साथ ही यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि कटाई नियमानुसार हुई है या इसमें वन नियमों का उल्लंघन किया गया है। जांच के निष्कर्षों के आधार पर ही आगे की कार्रवाई और जिम्मेदारी तय की जा सकती है।

अवैध कटाई मिलने पर हो कार्रवाई—कक्ष क्रमांक 103 बोदलपानी में पेड़ों की कटाई के मामले में निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति

सामने लाने की मांग की जा रही है। यदि जांच में अवैध कटाई की पुष्टि होती है, तो इसके लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके साथ ही निगरानी में लापरवाही सामने आने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए।

वन संरक्षण के दावों की जमीनी हकीकत पर नजर—जंगलों की सुरक्षा केवल विभागीय नियमों और कागजी व्यवस्थाओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसका प्रभाव मैदानी स्तर पर भी दिखाई देना चाहिए। रेंगाखार वन परिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक 103 में पेड़ों की कटाई का मामला वन विभाग के लिए अपनी निगरानी व्यवस्था की समीक्षा करने का अवसर भी है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि विभाग मामले का संज्ञान लेकर निरीक्षण और जांच कराता है या नहीं। वन संपदा को सुरक्षित रखने के लिए नियमित गश्त, प्रभावी निगरानी और नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना जरूरी है।

कबीरधाम जिले में अपात्र पाए जाने पर हटाए गए सभी 2234 मतदाताओं की जांच आयोग करे: मो अकबर

फर्जी तौर पर जमा किए गए फर्म 7 की भी जांच हो

कवर्धा। कबीरधाम जिले में मतदाता सूची को लेकर हुए एसआईआर में कुल 2234 मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। इनमें ऐसे लोग हैं, जिनका दो स्थानों में नाम है, मृत हो गए हैं, या नियमानुसार मतदाता सूची से हटाए जाने योग्य हैं। इन सभी 2234 मतदाताओं की स्वतंत्र जांच चुनाव आयोग कराए, कांग्रेस पार्टी पूरा सहयोग करेगी। यदि नियम-विरुद्ध किसी का नाम मतदाता सूची में है, तो जरूर हटाना चाहिए। ऐसे मामलों की भी जांच होनी चाहिए जिसमें बहुत से मतदाताओं के संबंध में फर्जी फर्म 7 भरे गए, जिसके कारण पात्र होने के बावजूद उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। चुनाव आयोग संज्ञान ले और ऐसे मामलों की भी स्वतंत्र जांच कराए। सिफ्टेड और अबसेंट बताकर जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उन



मामलों की भी जांच कर पात्र पाए जाने पर उनके नाम मतदाता सूची में जोड़े जाने चाहिए। वोट चोरी को लेकर पूरे देश में विरोध स्वरूप आंदोलन चल रहा है, अब विदेशों में भी वोट चोर-गद्दी खेड़ के नारे लग रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने भी वोट +बचाओं देश बचाओं- अभियान की तैयारी तेज कर दी है। 25 अक्टूबर से 25 नवंबर तक राज्य और जिला मुख्यालयों में पत्रकार

वार्ताएं आयोजित की जायेंगी। गांवों में वोट बचाओं चौपाल का भी आयोजन किया जायेगा। देश में भारत निर्वाचन आयोग है, न कि भारत सरकार निर्वाचन आयोग। इसलिए जब आयोग से सवाल पूछे जाते हैं, तो आयोग को ही सामने आकर जवाब देना चाहिए न कि सरकारी प्रवक्ताओं को। राज्य में 19 लाख 13 हजार मतदाता अबसेंट/सिफ्टेड के कारण मतदाता सूची से हटा

दिए गए हैं। 2023 विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस में जीत-हार का अंतर 6 लाख 32 हजार मतों का है, जबकि इससे चार गुना अधिक 24 लाख 99 हजार मतदाताओं के नामों को मतदाता सूची से हटा दिया गया है। आयोग से मांग है कि इनमें जो भी पात्र पाए जाते हैं, उनके नामों को फिर से जोड़ा जाए ताकि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव हो सकें।

दीवानमुड़ा में 3.50 लाख का सार्वजनिक शौचालय बना खंडहर

निर्माण की गुणवत्ता और रखरखाव पर उठे सवाल

देवभोग। ब्लाक के ग्राम पंचायत दीवानमुड़ा में आम जनता की सुविधा के लिए लगभग 3 लाख 50 हजार रुपये की लागत से निर्मित सार्वजनिक शौचालय की स्थिति जर्जर होने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि सार्वजनिक उपयोग के लिए बनाए गए इस शौचालय की हालत अब खंडहर जैसी हो गई है। इससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता और रखरखाव व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।सुरक्षा द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता को बढ़ावा देने तथा आम नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण कराया जाता है। लेकिन ग्राम पंचायत दीवानमुड़ा में शौचालय की बदहाल स्थिति इन योजनाओं के क्रियान्वयन और देखरेख पर सवाल



खड़े कर रही है। निर्माण के बाद देखरेख का अभाव -ग्रामीणों के अनुसार, सार्वजनिक शौचालय का निर्माण लोगों की सुविधा के लिए कराया गया था, लेकिन वर्तमान स्थिति को देखकर इसके रखरखाव पर ध्यान नहीं दिए जाने की बात सामने आ रही है। यदि निर्माण के बाद समय-समय पर मरम्मत और नियमित देखरेख की जाती, तो संभवतः इसकी स्थिति इतनी खराब नहीं होती।

गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल -

करीब 3 लाख 50 हजार रुपये की लागत से निर्मित सार्वजनिक शौचालय का खंडहर में तब्दील होना निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े करता है। रख रखावा नहीं होने से योजना का उद्देश्य प्रभावित करता है।

अधिकारियों के निरीक्षण पर सवाल -इस मामले में संबंधित विभाग के अधिकारियों और पंचायत के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित निरीक्षण और समय पर मरम्मत आवश्यक है। ऐसे में सवाल यह है कि निर्माण के बाद संबंधित अधिकारियों द्वारा कितनी बार निरीक्षण किया गया और शौचालय की मौजूदा स्थिति सुधारने के लिए क्या कदम उठाए गए?

कवर्धा। कबीरधाम जिले के विकासखण्ड बोड़ला के ग्राम पंचायत राजाद्वार में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना अंतर्गत आवास निर्माण करने के नाम पर हितग्राहियों से पैसे लेकर आवास निर्माण नहीं करने और राशि वापसी की मांग करने पर पैसे नहीं लौटाने की शिकायत पर पांच हितग्राही श्री देवसिंह पिता गौचरण ग्राम राजाद्वार, श्रीमती मंघोर बाई पति भोभलाल, श्रीमती पुरीसा बाई पति सिरधू बैगा, श्रीमती कौशल्या बाई पति जेट्टू बैगा, श्रीमती नन्की बाई पति गहरू की शिकायत पर ठेकेदार कुमार मेरावी दोलबी ग्राम शितलपानी पंचायत ढोलबज्जा के विरुद्ध छल कर ठगी करते हुए आर्थिक नुकसान पहुंचाने के आरोप में भारतीय न्याय सहिता



(बीएनएस), 2023 की धारा 318 (4) के तहत थाना चिल्पी में एफआईआर दर्ज कराया गया है। इस संबंध में प्राप्त जानकारी अनुसार प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा हितग्राहियों को आवास बनाने के लिए राज्य शासन द्वारा 4 किस्तों में 2 लाख रुपये प्रदाय किया जाता है। वनांचल क्षेत्रों में आवास लाभार्थियों को ठेकेदार द्वारा आवास निर्माण करने के नाम पर ठेका लेते हुए हितग्राही श्री देवसिंह से 60 हजार रुपये, श्रीमती मंघोर बाई से 60

हजार रुपये, श्रीमती पुरीसा बाई से 60 हजार रुपये, कौशल्या बाई से 80 हजार रुपये एवं नन्की बाई से 60 हजार सहित कुल 3 लाख 20 हजार रुपये लेकर आवास का निर्माण कार्य नहीं किया गया। लगभग डेढ़ वर्ष के बाद भी हितग्राहियों द्वारा

मांगने पर न हीं पैसा लौटाया गया और न हीं आवास का निर्माण किया गया। जिसके बाद हितग्राहियों के लिखित शिकायत पर यह बड़ी कार्यवाही हुई है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री जनमन आवास के निर्माण कार्य हेतु प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। कुछ स्थानों पर ठेकेदारों के द्वारा बैगा हितग्राहियों को बहला भुस्तलाकर आवास निर्माण के लिए जारी पैसे लेकर कार्य नहीं करने की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। साथ ही जिला पंचायत कबीरधाम द्वारा स्पष्ट निर्देश दिये गये है कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना अंतर्गत किसी भी स्तर में अनियमितता पाये जाने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी।

डुमरिया के गुणढेला नदी में अवैध रेत खनन जोरों पर, कार्रवाई के बाद भी नहीं थम रहा कारोबार

खनिज विभाग ने रास्ता बंद करने जेसीबी से कई कार्रवाई, फिर भी सुबह से रेत परिवहन में जुटे दर्जनों वाहन



कोरिया/ बैकुंठपुरा जिले के डुमरिया क्षेत्र स्थित गुणढेला नदी में अवैध रेत खनन और परिवहन का कारोबार लगातार जारी रहने की जानकारी सामने आ रही है। खनिज विभाग की कार्रवाई और नदी तक पहुंचने वाले रास्ते को बंद करने के लिए जेसीबी चलवाए जाने के बावजूद रेत के अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक नहीं लग पा रही है। स्थानीय स्तर पर सुबह से ही दर्जनों वाहनों के नदी क्षेत्र से रेत लाने और ले जाने में लगे रहने की बात कही जा रही है। जानकारी के अनुसार, गुणढेला नदी से रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन को रोकने के उद्देश्य से खनिज विभाग द्वारा पूर्व में कार्रवाई की गई थी। विभाग की टीम ने नदी तक पहुंचने वाले मार्ग को बंद करने के लिए जेसीबी मशीन भी चलवाई थी, ताकि अवैध रूप से रेत

निकालने और उसका परिवहन करने वालों पर अंकुश लगाया जा सके। इसके अलावा, कुछ दिन पहले खनिज विभाग की टीम ने रेत परिवहन में लगे वाहनों के विरुद्ध भी कार्रवाई की थी। इसके बावजूद क्षेत्र में रेत का कारोबार जारी रहने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, सुबह होते ही कई वाहन नदी क्षेत्र की ओर पहुंचने लगते हैं और रेत लेकर वापस लौटते दिखाई देते हैं। ऐसे में खनिज विभाग की पूर्व कार्रवाई के बाद भी अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश नहीं लगने को लेकर

सवाल उठ रहे हैं।नदी से अवैध रेत उत्खनन होने पर पर्यावरण और नदी के प्राकृतिक स्वरूप पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। वहीं, शासन को राजस्व की हानि भी हो सकती है। अब देखना होगा कि खनिज विभाग इस मामले में आगे क्या कदम उठाता है। क्षेत्र में लगातार निगरानी, अवैध उत्खनन में संलिप्त लोगों की पहचान और नियमों के अनुरूप सख्त कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है, ताकि गुणढेला नदी में अवैध रेत खनन एवं परिवहन पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

मनेन्द्रगढ़ में 55 फीट के रावण का होगा दहन, दशहरा उत्सव को लेकर तैयारियां तेज

21 अक्टूबर को आत्मानंद स्कूल मैदान में सजेगा विजयादशमी का मंच, स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल की मौजूदगी में होगा रावण और मेघनाद दहन, आतिशबाजी रहेगी आकर्षण का केंद्र

मनेन्द्रगढ़। बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश देने वाला विजयादशमी पर्व मनेन्द्रगढ़ में इस बार भी उत्साह और भव्यता के साथ मनाया जायेगा।युवा मंच मनेन्द्रगढ़ के तत्वावधान में 21 अक्टूबर को स्थानीय स्वामी आत्मानंद स्कूल मैदान में दशहरा उत्सव का आयोजन किया जायेगा। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के साथ भव्य आतिशबाजी इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण होगी।

स्वास्थ्य मंत्री की मौजूदगी में होगा रावण दहन—दशहरा महोत्सव में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री और मनेन्द्रगढ़ विधायक श्यामबिहारी जायसवाल मुख्य



अतिथि के रूप में शामिल होंगे। आयोजन में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की भी उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम को लेकर नगरवासियों में उत्साह का माहौल है। आयोजकों को उम्मीद है कि रावण दहन देखने के लिये बड़ी संख्या में लोग मैदान पहुंचेंगे।

55 फीट ऊंचा रावण बनेगा आकर्षण—इस वर्ष दशहरा उत्सव में 55 फीट ऊंचे विशालकाय रावण के पुतले का दहन किया जायेगा। इसके साथ मेघनाद का पुतला भी अग्नि को समर्पित किया जायेगा। दोनो पुतलों को आकर्षक रूप देने के लिये

मध्यप्रदेश के शहखेल से कारीगर बुलाये गये हैं। कारीगर पुतलों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। रावण दहन के दौरान होने वाली आतिशबाजी से आसमान रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठेगा।

आयोजन को भव्य बनाने में जुटी युवा मंच की टीम—दशहरा महोत्सव को सुव्यवस्थित और यादगार बनाने के लिये युवा मंच मनेन्द्रगढ़ के पदाधिकारी और सदस्य तैयारियों में सक्रिय हैं। अधिवक्ता आशीष सिंह, विकास श्रीवास्तव, अमित पोद्दार, जहीर खान, रविकांत सिंह, हफ्तेज मेमन और एहसानुल हक सहित अन्य सदस्य आयोजन की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं।आयोजकों ने नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में स्वामी आत्मानंद स्कूल मैदान पहुंचने की अपील की है। विजयादशमी का यह आयोजन ना केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बनेगा बल्कि सामाजिक सहभागिता और आपसी सौहार्द का संदेश भी देगा।

लोटस पब्लिक स्कूल के दो दिवसीय ग्रांड रास गरबा में झूम उठा भटगांव

पल्लवी सिंह और संजना रोहिणी की एंकरिंग ने बांधा समां, माता की आराधना और संस्कृति का दिखा संगम

भटगांव। अगर धक्ति, संस्कृति, संगीत और उल्लास का संगम एक साथ देखना हो तो उसका सबसे सुंदर उदाहरण बना लोटस पब्लिक स्कूल भटगांव द्वारा आयोजित दो दिवसीय ग्रांड रास गरबा 14 और 15 अक्टूबर को आयोजित इस भव्य गरबा महोत्सव में पूरा भटगांव गरबा के रंग में रंगा नजर आया। दो शामें ऐसी रहीं जहां माता रानी की आराधना से लेकर पारंपरिक गरबा की थाप तक, हर पल यादगार बन गया। नगर में पहली बार किसी निजी स्कूल द्वारा इतने बड़े स्तर पर गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया था, जिसने सफ़रता के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। हजारों की संख्या में नगरवासी, अभिभावक, छात्र-छात्राएं और युवा गरबा प्रेमी इस उत्सव का हिस्सा बने।

माता रानी की पूजा से हुआ शुभारंभ, अतिथियों ने बढ़ाई शोभा—वर्षा कार्यक्रम का शुभारंभ माता रानी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। पहले दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत भटगांव के अध्यक्ष विक्रम कुंरे, भाजपा मंडल अध्यक्ष धीरज दीक्षित, नगर के वरिष्ठ नागरिक नेमीचंद केशरवानी, स्थाना साहू सहित अन्य



गणमान्य अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुआ। माता के जयकारों और दीप प्रज्वलन के साथ जब गरबा शुरू हुआ तो पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।दूसरे दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत भटगांव के उपाध्यक्ष, नगर के जाने-माने मूर्तिकार प्रदीप देवांगन तथा पत्रकारों की पूरी टीम की उपस्थिति में हुआ। अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा को दोगुना कर दिया।

पहले दिन पल्लवी सिंह की एंकरिंग ने जमाया रंग-गरबा महोत्सव के प्रथम दिन 14 अक्टूबर को रायपुर से पहुंची प्रसिद्ध एंकर पल्लवी



सिंह ने अपनी शानदार प्रस्तुति से समां बांध दिया। पल्लवी सिंह छत्तीसगढ़ की जानी-मानी एंकर हैं जो अपनी ऊर्जावान अंदाज और आकर्षक मंच संचालन के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने मंच पर आते ही गरबा प्रेमियों में जोश भर दिया। उनके एक-एक शब्द, उनके अंदाज और गरबा के प्रति उनका उत्साह देखते ही बनता था। उन्होंने न केवल गरबा को लेकर जानकारी दी, बल्कि प्रतिभागियों को लगातार प्रोत्साहित भी किया। उनकी एंकरिंग के साथ गरबा प्रेमी देर शाम तक संगीत और नृत्य के रंग में रंगे रहे। बच्चों से लेकर महिलाओं तक, सभी ने उनके साथ गरबा किया।

दूसरे दिन मध्यप्रदेश की संजना रोहिणी ने किया धमाल—महोत्सव के दूसरे दिन 15 अक्टूबर को मध्यप्रदेश से पहुंची प्रसिद्ध एंकर संजना रोहिणी ने पूरे आयोजन को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया। संजना रोहिणी अपनी दमदार आवाज और जोशीले अंदाज के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने मंच सभालते ही पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। उनके आकर्षक अंदाज, चुटकुले और गरबा के प्रति उनका जुनून ऐसा था कि एक पल के लिए भी कोई दर्शक अपनी जगह से हिला नहीं। उन्होंने गरबा प्रतिभागियों में नई ऊर्जा भर दी और पूरा आयोजन संगीत, नृत्य तथा उल्लास से सजबोर हो गया। दोनों ही एंकरों की जोड़ी ने इस गरबा को भटगांव के इतिहास में यादगार बना दिया।

प्रायोजकों को शीलड देकर किया सम्मानित—इस भव्य आयोजन को सफ़रता बनाने में सहयोग देने वाले सभी प्रायोजकों को लोटस पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर लक्ष्मी साहू द्वारा शीलड प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने मंच

से सभी प्रायोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी बड़े आयोजन की सफ़रता में सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और भटगांव के व्यापारियों ने जो सहयोग दिया है वह काबिले तारीफ है।कार्यक्रम के प्रमुख प्रायोजक थे - प्रज्ञा इंस्टीट्यूट, प्रमोद हाईवेयर, प्रदीप एजेंसी, नामदेव जनरल स्टोर, मोक्षिता बॉडी जिम, संदीप क्लॉथ स्टोर, तरुण इलेक्ट्रॉनिक्स, मंजू पान पैलेस, गौरी फ़र्नेचर्स, मौली फ़र्नेचर्स, श्रीराम फ़र्नीचर, देव बेकरी, देवांगन प्रिंट बिलाईगढ़, विकास कंप्यूटर, के.आर. ज्वेलर्स, केशर जी मार्ट, सोलिस यानभार तथा राहुल केशरवानी ऑटोमोबाइल। सभी प्रायोजकों के सहयोग से यह आयोजन भव्य रूप ले सका। आयोजक संस्था ने सभी सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार प्रकट किया।

डायरेक्टर लक्ष्मी साहू ने जताया आभार, कहा - यह भटगांव की एकता का उत्सव था—आयोजन का अमूर्तपूर्व सफ़रता पर लोटस पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर लक्ष्मी साहू ने समस्त भटगांववासियों, अभिभावकों, प्रतिभागियों, अतिथियों, प्रायोजकों और सहयोगियों का हृदय से

धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि ग्रांड रास गरबा केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भटगांव की एकता, उत्साह और आपसी सहयोग का उत्सव रहा। भटगांववासियों एवं अभिभावकों ने जिस उत्साह और अपनत्व के साथ इस आयोजन में सहभागिता निभाई, वह हमारे लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। आप सभी के सहयोग से ही दो दिवसीय गरबा महोत्सव सफ़ल और यादगार बन पाया। हमारा प्रयास है कि भटगांव में शिक्षा के साथ-साथ संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि लोटस पब्लिक स्कूल सिर्फ शिक्षा ही नहीं, बल्कि संस्कार और संस्कृति भी बच्चों को देता है। गरबा जैसे आयोजन से बच्चों में अपनी संस्कृति के प्रति सम्मान बढ़ता है। शिक्षकों एवं आयोजन समिति का रहा विशेष योगदान—इस भव्य आयोजन को सफ़रता बनाने में लोटस पब्लिक स्कूल की वाइस प्रिंसिपल किरण साहू, विक्की यादव, अंशु मैम, सालिक सर सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं स्टाफ सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

संक्षिप्त समाचार

गेंदा फूल और सब्जियों की खेती से घनश्याम साहू ने अपनाया फसल विविधीकरण, योजना से मिली 37,500 की सहायता

रायपुर। राजनांदगांव जिले के ग्राम मोहड़ के किसान घनश्याम साहू फलोरीकचर हब प्रोत्साहन योजना का लाभ लेकर गेंदा फूल की खेती कर रहे हैं। इसके साथ ही वे विभिन्न सब्जियों का उत्पादन भी कर रहे हैं। कुल 4.83 हेक्टेयर भूमि में उद्यानिकी फसलें उगाकर उन्होंने खेती में विविधता अपनाई है। योजना के तहत एक हेक्टेयर में व्यावसायिक पुष्प उत्पादन के लिए 37 हजार 500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। इसी योजना से प्रोत्साहित होकर घनश्याम साहू ने एक हेक्टेयर में गेंदा फूल की खेती शुरू की। घनश्याम साहू एक हेक्टेयर में गेंदा, 1.62 हेक्टेयर में खीरा, 0.81 हेक्टेयर में मिर्च, 0.40 हेक्टेयर में कुंदरू और एक हेक्टेयर में लौकी की खेती कर रहे हैं। गेंदा फूल की धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में मांग रहती है, जबकि खीरा, मिर्च, कुंदरू और लौकी जैसी सब्जियों की स्थानीय बाजारों में नियमित मांग होने से उनके विपणन के अवसर मिलते हैं। किसान खेती में भूमि की तैयारी, पौधरोपण, सिंचाई, पोषण प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण तथा कीट एवं रोग प्रबंधन पर ध्यान दे रहे हैं। अलग-अलग फसलों की खेती से किसी एक फसल पर निर्भरता कम करने और आय के विभिन्न अवसर विकसित करने में मदद मिलती है। घनश्याम साहू का मानना है कि स्थानीय जलवायु, उपलब्ध संसाधनों और बाजार की मांग के अनुरूप फसलों का चयन कर खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है। उनका कहना है कि सरकारी प्रोत्साहन योजनाएं किसानों को पुष्प उत्पादन और अन्य उद्यानिकी फसलें अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना से रामकिशुन श्रीवास का पक्के मकान का सपना हुआ साकार

रायपुर। हर व्यक्ति का सपना होता है कि उसका अपना एक पक्का मकान हो, जहां वह अपने परिवार के साथ सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर सके। आर्थिक कठिनाइयों के कारण कई ज़रूरतमंद परिवारों के लिए यह सपना पूरा करना आसान नहीं होता। ऐसे परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आई है। इस योजना ने राजनांदगांव जिले के नगर पंचायत डोंगरगांव अंतर्गत सेवता पारा, वार्ड क्रमांक 6 निवासी रामकिशुन श्रीवास के पक्के मकान के सपने को भी साकार किया है। रामकिशुन श्रीवास का परिवार पहले कच्चे मकान में निवास करता था। कच्चे मकान में रहने के कारण परिवार को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सीमित आर्थिक संसाधनों के चलते स्वयं का पक्का मकान बनाना उनके लिए कठिन था। ऐसे समय में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 उनके जीवन में खुशियों की सौगात लेकर आई। योजना के अंतर्गत आवास निर्माण के लिए मिली 2 लाख 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता से उन्होंने अपने सपनों का पक्का आशियाना तैयार किया।

लबित ई-चालान के भुगतान को लेकर प्रदूषण जाँच केंद्र के कर्मचारियों की ली गई बैठक

रायपुर। लॉबित ई-चालानों की बढ़ती संख्या को देखते हुए तथा ई-चालान का भुगतान नहीं करने वाले वाहन चालकों के प्रति सख्त रुख अपनाने हुए डीसीपी टैप्पिक डॉ. अर्चना झा द्वारा प्रदूषण जांच केंद्र संचालकों की बैठक ली गई। बैठक में निर्देशित किया गया कि प्रदूषण जांच केंद्र में आने वाले जिन वाहनों पर ई-चालान लॉबित हैं, उनके लॉबित ई-चालान का भुगतान करने एवं के वेबसाइट से ही भुगतान करने बताये।इस व्यवस्था का उद्देश्य वाहन चालकों को लॉबित ई-चालान का भुगतान करने के प्रति जागरूक करना तथा यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करना है। इसके अतिरिक्त, प्रदूषण जांच केंद्रों में जांच किए जाने वाले वाहनों की जानकारी आरटीओ पोर्टल पर समय पर अपडेट नहीं होने के कारण कई बार संबंधित वाहन के विरुद्ध अनावश्यक रूप से ई-चालान जारी हो जाते हैं। इससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

रायपुर में 53 लाख की उड़ाईगिरी का खुलासा, दो गिरफ्तार, गीजर और बच्चों के खिलौनों में मिले नोटों के बंडल

रायपुर। राजधानी रायपुर में कपड़ा कारोबारी के 53 लाख रुपये से भरे बैग की उड़ाईगिरी के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने चोरी की रकम को अपने घरों में गीजर के अंदर, टीवी के पीछे और बच्चों के खिलौनों में छिपाकर रखा था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पूरी 53 लाख रुपये की नकदी बरामद की है। इसके अलावा वाददात में इस्तेमाल पल्सर मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। आरोपियों से जुड़े तीन बैंक खाते भी फ्रीज कराए गए हैं। पुलिस के अनुसार, शैलेंद्र नगर निवासी किशोर बलवानी की पंडरी कपड़ा मार्केट में रेडिमेड कपड़ों की दुकान है। 9 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 11:40 बजे वह घर से दुकान जाने के लिए निकले थे। उन्होंने नकदी से भरा सफेद कपड़े का बैग अपनी एंक्टिवा के सामने वाले पायदान पर रखा था।

मुख्यमंत्री ने मां दुर्गा की आराधना कर प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की

नवरात्रि शक्ति की आराधना और नारी सम्मान का महापर्व-साय

हमारी संस्कृति में नारी शक्ति का सर्वोच्च स्थान, माताओं-बहनों का सम्मान और सशक्तीकरण सरकार की प्राथमिकता: मुख्यमंत्री

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री निवास आज नवरात्रि की भक्ति, गरबा की लय और उल्लास के रंगों से सरबोेर नजर आया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में आयोजित गरबा महोत्सव में बड़ी संख्या में माताओं-बहनों, बेटियों और गुजराती समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पारंपरिक परिधानों में सजे प्रतिभागियों ने मां दुर्गा की आराधना के साथ गरबा की मनमोहक

प्रस्तुतियां दीं। भक्ति संगीत और गरबा की ताल के बीच पूरा परिसर उत्सव के रंग में रंग गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मां दुर्गा की आराधना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। उन्होंने उपस्थित माताओं-बहनों, बेटियों एवं सभी श्रद्धालुओं को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नवरात्रि शक्ति की आराधना, श्रद्धा और भक्ति के साथ नारी सम्मान का महापर्व है। हमारी सनातन संस्कृति में नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है। यह पर्व हमें मातृशक्ति के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तीकरण के प्रति अपने दायित्वों का स्मरण कराता है। उन्होंने कहा कि गरबा मां दुर्गा के प्रति श्रद्धा और भक्ति की सुंदर अभिव्यक्ति होने के साथ हमारी जीवंत सांस्कृतिक विरासत का भी प्रतीक है। गुजरात की धरती से



निकली गरबा की परंपरा आज पूरे देश में उत्साह के साथ मनाई जाती है। ऐसे आयोजन देश की सांस्कृतिक विविधता में एकता के भाव को और मजबूत करते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारत के पर्व और त्योहार केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं हैं। ये परिवार और समाज को जोड़ने, आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करने तथा नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और

परंपराओं से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि आज गरबा देश-दुनिया में भारतीय संस्कृति की विशिष्ट पहचान बन चुका है। छत्तीसगढ़ में भी गरबा के प्रति उत्साह लगातार बढ़ा है। बड़ी संख्या में माताओं-बहनों और बेटियों की सहभागिता इस उत्सव को और विशेष बनाती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नारी शक्ति का सम्मान हमारी

महिला कृषक सेवा महाकुंभ एवं कृषक संगोष्ठी आयोजित

रायपुर। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष घोषित किए जाने के अवसर पर स्वामी विवेकानंद परिसर स्थित कृषि महाविद्यालय, जोरा में महिला कृषक सेवा महाकुंभ एवं कृषक संगोष्ठी आयोजित की गई। कृषि विभाग, जिला रायपुर और कृषि विज्ञान केंद्र रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में हुए इस कार्यक्रम में जिले की कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्रों की लगभग 300 महिला कृषकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष संदीप यदु मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विशेष अतिथि के रूप में कृषि स्थायी समिति के सभापति गुरु सौरभ साहेब, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के उपाध्यक्ष अनिमेष करश्यप, रिसर्च संचालक विवेक कुमार त्रिपाठी।

एबीवीपी ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा एवं अराजक गतिविधियों के विरोध में किया प्रदर्शन

रायपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), रायपुर महानगर द्वारा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, भ्रामक प्रचार एवं आंदोलन के नाम पर की जा रही कथित अराजक गतिविधियों के विरोध में अराजकता रोको डू लोकतंत्र अपनाओ अभियान के अंतर्गत प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के माध्यम से एसआईआर एवं मतदाता सूची से जुड़े विवादों पर भ्रामक जानकारी फैलाने, प्रधानमंत्री के प्रति अपमानजनक भाषा के कथित प्रयोग, एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान यूथ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलसचिव को थपड़ मारने की धमकी देने, पुलिस एवं सुरक्षा बलों के साथ दुर्व्यवहार तथा दिल्ली में एनएसयूआई द्वारा संविधान की प्रस्तावना जलाने की घटना के विरोध में अपनी बात रखी गई। अभाविप ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध प्रदर्शन का अधिकार महत्वपूर्ण है, लेकिन इसका उपयोग संवैधानिक मर्यादाओं एवं शांतिपूर्ण तरीकों के अनुरूप होना चाहिए। इस अवसर पर अभाविप छत्तीसगढ़ के प्रदेश सह मंत्री प्रथम राव पुजाने ने कहा कि लोकतंत्र में आंदोलन करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन इस अधिकार का उपयोग जनहित, राष्ट्रहित, सामाजिक सुधार एवं सरकार की गलत नीतियों के विरोध के लिए होना चाहिए।

विजयादशमी पर उमड़ेगा जनसैलाब

101 फीट ऊंचे दशानन रावण का होगा दहन,भक्त्य आतिशबाजी से जगमगाएगा डब्ल्यूआरएस मैदान

लगभग 5 लाख लोगों के पहुंचने की संभावना; राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित अनेक जनप्रतिनिधि होंगे शामिल।

रायपुर। संवाददाता

राजधानी रायपुर के डब्ल्यूआरएस कॉलोनी स्थित दशहरा मैदान में विजयादशमी के पावन अवसर पर भव्य दशहरा उत्सव का आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मर्यादापुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की विजय और बुराई पर अच्छाई की जीत के



प्रतीक इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। 101 फीट ऊंचे दशानन रावण के दहन और भव्य आतिशबाजी के बीच पूरा दशहरा मैदान जय श्रीराम के जयघोष से जाएगा। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मर्यादापुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की विजय और बुराई पर अच्छाई की जीत के

राज्यपाल महामहिम श्री रमेन डेका जी, मुख्यमंत्री माननीय श्री विष्णु देव साय जी, राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा जी, रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल जी, रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे जी सहित प्रदेश के मंत्रीगण, विधायकगण, पूर्व विधायक एवं निगम-मंडल के

जनप्रतिनिधिगण शामिल होंगे। विजयादशमी उत्सव की तैयारियों को लेकर रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा जी ने कहा कि दशहरा भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था और गौरवशाली परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है। मर्यादापुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन से हमें सत्य, धर्म, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और मर्यादा के मार्ग पर चलने की सीख मिलती है। दशानन रावण का दहन बुराइयों के अंत और सद्गुणों की विजय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूआरएस दशहरा मैदान में आयोजित होने वाला यह उत्सव राजधानी की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग, परिवार और श्रद्धालु शामिल होते हैं।

संस्कृति का मूल भाव है और महिलाओं को आत्मनिर्भर तथा सशक्त बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। आंदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में महिलाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उनके सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना के माध्यम से लगभग 68 लाख माताओं-बहनों को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। यह राशि सीधे उनके बैंक खातों में पहुंच रही है। इससे महिलाओं को अपनी आवश्यकताओं, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक संबल मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की 14 लाख बहनें लक्षपति दीदी बन चुकी हैं। यह हमारी मातृशक्ति के परिश्रम,

सामर्थ्य और आत्मविश्वास का प्रमाण है। हमारा संकल्प है कि छत्तीसगढ़ की महिलाएं केवल योजनाओं की लाभार्थी ही नहीं, बल्कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में नेतृत्वकारी भूमिका निभाएं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ माता कौशल्य की पावन धरती है और यहां आदिशक्ति की आराधना की समृद्ध परंपरा सदियों से चली आ रही है। बस्तर की आराध्य मां दंतेश्वरी, डोंगरगढ़ की मां बम्लेश्वरी, रतनपुर की मां महामाया और चंद्रपुर की मां चंद्रहासिनी सहित अनेक देवी धाम प्रदेश की आस्था और सांस्कृतिक पहचान के प्रमुख केंद्र हैं। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के अवसर पर दंतेवाड़ा से डोंगरगढ़ और रतनपुर से चंद्रपुर तक माता के दरबार में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता है। पूरा छत्तीसगढ़ शक्ति की आराधना में लीन दिखाई देता है।

सरकारी गोदाम में चावल मिलना गंभीर मामला गरीबों की थाली में जहर परोस रही भाजपा सरकार-कांग्रेस.....

रायपुर। संवाददाता



कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि चावल की गुणवत्ता और वितरण में मिलने की लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। अब एफसीआई के

गोदाम में प्रतिबंधित एफ़्फ़ारके मिलने से यह गंभीर आशंका पैदा हुई है कि कहीं सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से गरीब परिवारों तक भी ऐसा चावल तो नहीं पहुंचाया गया है। सरकार तत्काल राशन दुकानों और गोदामों में उपलब्ध चावल के नमूनों की जांच कराए तथा जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करे। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि चावल की गुणवत्ता और वितरण में मिलने की लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। अब एफसीआई के

घने जंगलों के बीच 228 घरों तक पहुंचा नल से जल योजना



रायपुर। संवाददाता

दंतेवाड़ा और सुकमा जिले की मशक़त से राहत मिलने के साथ घरेलू कामकाज, बच्चों की देखभाल और आजीविका संबंधी गतिविधियों के लिए अधिक समय मिल रहा है। एडपाल की वार्ड पंच बुदरी मंडवी और ग्रामीण महिला जोगी मरकाम बताती हैं कि घर में नल लगने से पानी की चिंता दूर हुई है। महिलाएं अब सच्ची बाड़ी, वनोपज संग्रहण और खेती-किसानी के कामों में अधिक समय दे पा रही हैं। बच्चों को भी पानी लाने में समय लगाने के बजाय पढ़ाई के लिए पर्याप्त समय मिल रहा है। इन गांवों में पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखने की जिम्मेदारी भी महिलाओं ने संभाली है। इसके लिए गठित 'जल वाहिनी' समूह की प्रशिक्षित महिलाएं फ़ैल्ट डेस्ट फ़िट से पानी की नियमित जांच कर रही हैं। इससे ग्रामीणों में स्वच्छ पेयजल के प्रति जागरूकता बढ़ने के साथ जलजनित बीमारियों से बचाव के प्रयासों को भी बल मिल रहा है। डोडपाल में आयोजित 'ग्राम जल उत्सव' में ग्रामीणों ने घर-घर पेयजल सुविधा मिलने पर खुशी जताई। जल जीवन मिशन से दूरस्थ वनांचल के गांवों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचने से महिलाओं और बच्चों सहित पूरे परिवार की रोमरमा की जिंदगी आसान हो रही है।

संपादकीय

दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा द्वारा हाल में तिलक नगर इलाके में सड़क निरीक्षण के दौरान एक व्यक्ति को थप्पड़ मारने की घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या किसी मंत्री से इस तरह के व्यवहार की उम्मीद की जा सकती है?लोकतंत्र में एक अच्छे जनप्रतिनिधि की पहचान उसके स्वभाव, कार्यशैली और जनता के प्रति

जवाबदेही से होती है। आदर्श नेता वही होता है, जिसके कार्यों एवं निर्णयों में निष्पक्षता, पारदर्शिता और स्पष्टता हो। वह पूरी ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करे और उसमें अपनी आलोचना सुनने का साहस हो। मगर जब सरकार में मंत्रिपद पर आसीन कोई जनप्रतिनिधि सार्वजनिक स्थल पर आपा खो दे और जनता से दुर्व्यवहार करने लगे, तो उसे

किस तरह देखा जाएगा।दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा द्वारा हाल में तिलक नगर इलाके में सड़क निरीक्षण के दौरान एक व्यक्ति को थप्पड़ मारने की घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या किसी मंत्री से इस तरह के व्यवहार की उम्मीद की जा सकती है? यह घटना उस धारणा के बिल्कुल विपरीत है, जिसमें उच्च पद पर बैठे जनप्रतिनिधि के

व्यवहार को समाज में मिसाल के तौर पर देखा जाता है। असहमति, आलोचना या विरोध लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। ऐसी स्थिति में संयम और पद की गरिमा का खयाल रखा जाना बेहद जरूरी है।गौरतलब है कि बीते रविवार को आप विधायक जरनैल सिंह ने मंत्री प्रवेश वर्मा की मौजूदगी में सड़क की सतह का कुछ हिस्सा उखाड़कर मरम्मत कार्य की

गुणवत्ता पर सवाल उठाया था। आरोप है कि इस दौरान मंत्री ने घटना का वीडियो बना रहे एक व्यक्ति को थप्पड़ मार दिया। उनका दावा है कि संबंधित व्यक्ति ने उनके परिवार के बारे में अपशब्द कहे।इस घटना से जुड़े आरोप-प्रत्यारोप जांच का विषय है, लेकिन सवाल है कि क्या मंत्री को हिंसक प्रतिक्रिया को उचित ठहराया जा सकता है? अगर उनके साथ कोई

दुर्व्यवहार हुआ, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती थी। सड़क की गुणवत्ता हो या किसी अन्य सार्वजनिक समस्या का खयाल, उसका समाधान उग्र व्यवहार से नहीं, बल्कि तर्क, जांच और कानून के दायरे में ही हो सकता है।सार्वजनिक जीवन में पद से अधिक महत्वपूर्ण उसकी गरिमा और मर्यादा होती है।

सबसे दुखद यह है कि समाज में सहानुभूति, दयाभाव, विनम्रता और क्षमा जैसे शब्द महज डिक्शनरी या किताबों में कैद होकर रह गये लगते हैं। अब शेष बचा है आपस में ईर्ष्या, द्वेष, जलन और एक दूसरे को नीचा या निरीह समझना। कोई व्यक्ति सड़क पर या कहीं और घायल होकर चाहे मरणासन्न हालत में पड़ा हो वहां से गुजरने वाले या तो वीडियो रील बनाते दिखाई देते हैं या सिर्फ तमाशबीन। मदद के लिए उठने वाले हाथ या अपनी लग्जरी चमचमाती कार रोककर घायल को हॉस्पिटल पहुंचाने वाले परोपकारी अपवाद स्वरूप ही हैं। जैसे यह काम उनका नहीं बल्कि पुलिस, एंबुलेंस या डायल 112 के जिम्मे ही है, उन्हें क्या लेना- देना। आजकल जहां देखो भीड़भाड़ बढ़ रही है। सोशियोलॉजी कहती है कि सी भी व्यक्ति का अकेले या समूह में और भीड़ में व्यवहार अलग- अलग होता है। इसे ही भीड़ व्यवहार कहा जाता है। इस भीड़ का नेतृत्व या अगुआई किन हाथों में है, इसी पर निर्भर होता है कि भीड़ क्या करने वाली है।

इतने अधीर क्यों होते जा रहे हैं हम लोग



है कि अधिकांश चौराहों पर जहां ट्राफिक सिग्नल हो ना हो वहां तैनात कर्मी आपस में बात करते या मोबाइल पर व्यस्त दिखाई देते हैं। भोपाल में तो कुछ समय पहले ऐसे कर्मियों पर कार्रवाई भी की गई है। हाल ही में पहले प्रदेश के बड़े शहर इंदौर और भोपाल की कुछ घटनाओं का जिक्र समीचीन होगा जिसमें कवर्ड कैम्पस में घुसने पर रोकने वाले सुरक्षा गार्ड को कार चालक ने कथित तौर पर कुचलकर मार डाला। अनेक शहरों में ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं उदाहरण के रूप में सामने है। भोपाल में रिटायर्ड आईएएस की निर्मम हत्या का आरोपी अभी तक पुलिस के हत्थे नहीं लग पाया। कई जगह सीनियर सिटीजन के साथ आस-पास के पड़ोसी दुर्व्यवहार कर धर्मकियां देते हैं लेकिन ऐसा करने वाले बैक्थोफे घुमते रहते हैं। इंदौर के राजवाड़ा इलाके में एक बस ने दो तीन लोगों को रौंद डाला तो राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बाइक सवार युवती को कार चालक ने ऐसे

टक्कर मारी कि वो बहुत दूर तक घिसटती रही और घायल हुई। गनीमत है उसने हेलमेट पहना था। सो, ऐसी घटनाएं रोजाना ही घटती रहती है जिसे ज्यादातर लोग अखबार के पन्ने की तरह पलटकर भुला देते हैं। सबसे दुखद यह है कि समाज में सहनुभूति, दयाभाव, विनम्रता और क्षमा जैसे शब्द महज डिक्शनरी या किताबों में कैद होकर रह गये लगते हैं। अब शेष बचा है आपस में ईर्ष्या, द्वेष, जलन और एक दूसरे को नीचा या निरीह समझना। कोई व्यक्ति सड़क पर या कहीं और घायल होकर चाहे मरणासन्न हालत में पड़ा हो वहां से गुजरने वाले या तो वीडियो रील बनाते दिखाई देते हैं या सिर्फ तमाशबीन। मदद के लिए उठने वाले हाथ या अपनी लग्जरी चमचमाती कार रोककर घायल को हॉस्पिटल पहुंचाने वाले परोपकारी अपवाद स्वरूप ही हैं। जैसे यह काम उनका नहीं बल्कि पुलिस, एंबुलेंस या डायल 112 के जिम्मे ही है, उन्हें क्या लेना- देना।

आजकल जहां देखो भीड़भाड़ बढ़ रही है। सोशियोलॉजी कहती है कि सी भी व्यक्ति का अकेले या समूह में और भीड़ में व्यवहार अलग-अलग होता है। इसे ही भीड़ व्यवहार कहा जाता है। इस भीड़ का नेतृत्व या अगुआई किन हाथों में है, इसी पर निर्भर होता है कि भीड़ क्या करने वाली है। इन दिनों राष्ट्रीय राजधानी से लेकर अधिकांश प्रदेशों में आंदोलनों, प्रदर्शनों, जुलूसों, समागमों में भीड़ जुट रही है। कहीं कहीं भीड़ कानून अपने हाथों में ले लेती है या कानून का उल्लंघन करती है यही भीड़ व्यवहार है। जब भीड़ अनियंत्रित होकर व्यवहार करती है तो व्यवस्था को अप्रिय कदम उठाना पड़ता है। आखिर सुरक्षा कर्मी भी मनुष्य ही हैं जिन्हें अपने बड़े ऑफिसर्स के हुक्म की तामील करनी ही पड़ती है। समाज शास्त्र में इस अवधारणा की विशद व्याख्या की गई है।

उत्तर पॉलिटिकल साइंस में प्रेशर ग्रुप को लेकर कहा गया है कि यह कोई राजनीतिक दल नहीं होता बल्कि ऐसा समूह होता है जो व्यवस्था के कामकाज पर नजर रखकर व्यापक रूप से जो लोगों के हित में हो उसे करने या उपयुक्त ना हो उसका प्रतिरोध करता है।

दिल्ली के जंतर-मंतर सहित देश के विभिन्न स्थानों पर हो रहे आंदोलन, प्रदर्शन इसी श्रेणी में आते हैं। राजनीतिक दलों का प्रतिरोध या आंदोलन, उनके अपने उद्देश्यों को हासिल करने को लेकर होते हैं यह कहा जा सकता है। सोचें, यदि प्रेशर ग्रुप अपना दायित्व ना निभायें तो अनेक मामलों का खुलासा शायद ही हो सकेगा।

जेन- जी, अल्फा- जेन, सुप्रीम कोर्ट सहित अन्य वक्कीलों के प्रदर्शन, कई यूट्यूबर, तथा इंप्लूएंशर और स्वतंत्र मीडिया से जुड़े लोग भी प्रेशर ग्रुप की तरह ही काम कर रहे हैं। आगे आने वाले वक्त में इसके क्या नतीजे होंगे यह समय के हाथों है।

क्या हम मान सकते हैं कि मौलिकता को दिखाना कला नहीं है?

पंकज तिवारी

ई.वी. हैवेल जिनका योगदान भारतीय कला को अंग्रेजी मानसिकता से मुक्त कराने के क्षेत्र में महत्वपूर्ण रहा, बीसवीं शताब्दी के शुरूआत में जब भारतीय युवा कलाकार विदेशी शैली, विषयवस्तु की तरफ आसानी से फिसलते जा रहे थे उस समय उन कलाकारों को भारतीय कला थाती के प्रति जगा कर उन्हें भारतीय थाती के बल पर आगे बढ़ने को प्रोत्साहित कर भारतीय कला जगत के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करी थी, जिसकी गिनती उस समय के महत्वपूर्ण कार्यों में होती है लेकिन रवि वर्मा पर उनकी भी नजर कुछ टट्टी ही थी, वर्मा जी पर भारतीय काव्य की मूल भावना से हटने का आरोप लगाया है हैवेल साहब ने। हो सकता है उनके निगाह में उनको अपनी बातें सही प्रतीत लगती हो पर इस बात पर बहस के पहले उनके कुछ चित्रों पर गौर करने की जरूरत सी महसूस हो रही है चित्र 'शकुन्तला का अपने प्रिय को देखना' देश में तैल रंग के शुरूआत का दौर, शुरूआत में ही बिना प्रशिक्षण के ही इतना मनभावन संयोजन, केश, वस्त्र, रंग, एनॉटामी और भावों का आपसी संतुलित सामंजस्य। बहाना पर से कोटा निकालने का और निगाह पीछे तनिक दूरी पे किसी के ऊपर, एकटक, आँखें उम्मीद की सागर सी जान पड़ती है। क्या विवाह के पूर्व राम और सीता के एक-दूसरे को निहारने को लेकर जो काव्य रचे गये है, से कम का भाव आँका जा सकता है इस चित्र में, पृष्ठभूमि में सहयोगी जल, जमीन, जंगल खुद ही कविता कहने में सक्षम है। हालांकि कहना नहीं चाहिए लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि हैवेल के इस कथन के पीछे उनके बंगाल स्कूल और वास पद्धति के प्रति प्रेम का असर है। हो सकता है कि इस आलेख में भी कुछ लोगों को मेरे नजरिए में वर्मा जी के प्रति नेह का असर झलके पर कोई संदेह नहीं कि हमेशा हर परिस्थितियों पर चर्चा होनी चाहिए इसलिए आगे भी कोई इस पर कुछ रचे तो उसके भी नेह को जरूर देखा जाना चाहिए। भाव की ही बात हरिश्चंद्र और तारामती नामक चित्र में भी खूब दर्शित है। तारामति की व्यथित आँखों को देखकर करुण रस से युक्त पूरा ग्रंथ लिखा जा सकता है। दुःखी शकुन्तला चित्र में भी मुख पर वेदना जैसे सब कुछ खो जाने का भान अनयास ही दीख पड़ता है।

क्या हम मान सकते हैं कि मौलिकता को दिखाना कला नहीं है? क्या यह सच है? ऐसे ही तमाम प्रश्न उठाए गए थे राजा रवि वर्मा को लेकर के। उनकी कृतियाँ धार्मिक है, उनके कृतियों में संस्कार हुआ करता था, उनके कृतियों में संस्कृति हुआ करती थी, उनके कृतियों में समाज हुआ करता था, उनके कृतियों के दर्शक हुआ करते थे उनकी कृतियाँ लोगों के जेहन में उतर गई थीं। बस समस्या यह थी कि उनकी कृतियाँ यथार्थ के धरातल पर थीं फलतः कला में उनके कद को लेकर विवाद हमेशा व्याप्त रहा। जीते जी भी उन्हें कई विवादों से गुजरना पड़ा कोर्ट तक के चक्कर लगाने पड़े और अपना वकील भी खुद ही बनना पड़ा हालांकि तार्किक क्षमता के बल पर जीत भी हासिल हुई। विवाद तब भी था विवाद आज भी है। प्रसंशक तब भी थे प्रसंशक आज भी हैं तब रविंद्र नाथ टैगोर के भतीजे बालेंद्र नाथ टैगोर के जैसे उनके कृतियों के प्रसंशक हुआ करते थे आज आज....

25 वर्षीय युवा बिना किसी प्रशिक्षण के विनया के चित्र प्रदर्शनी में स्वर्ण पदक प्राप्त करता है। लोगों की निगाह यहीं से इनको तरफ को मुड़ती है। इसे एक संयोग ही कहा जा सकता है कि 1872 में चेन्नई में पहली प्रदर्शनी करने वाले वर्मा जी की कृति विनया में 1873 में अपने पहचान के साथ आगे बढ़ी और ठीक 20 साल बाद 1893 में शिकागो में आयोजित वर्ल्ड कोलंबियन एग्जिबिशन में स्वामी विवेकानंद के आग्रह पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने लगभग 10 चित्र प्रदर्शित करते हैं इस प्रदर्शनी की गिनती 19वीं शताब्दी की भव्यतम अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में होती है। रवि वर्मा को पुरस्कृत भी किया गया। 20 वर्षीय संयोग के बाद शतकीय संयोग भी बना और 1993 में उनके चित्रों की एक भव्य प्रदर्शनी राष्ट्रीय संग्रहालय दिल्ली में हुई। प्रदर्शनी के बाद विरोध भी हुआ खुले तौर पर विरोध हुआ आधुनिक भारतीय कलाकार जो उस समय सक्रिय थे, में कुछ खुद को प्रमुख मानने वाले कलाकार राजा रवि वर्मा के इस प्रदर्शनी को लेकर कुछ ज्यादा ही विचलित थे। 'ऐसे कलाकार जिनका कला में कोई योगदान ही ना हो' को इस तरह प्रमोट करने से भारतीय कला को भेला क्या फायदा देखा जाना चाहिए। भाव की ही बात हरिश्चंद्र और तारामती नामक चित्र में भी खूब दर्शित है। तारामति की व्यथित आँखों को देखकर करुण रस से युक्त पूरा ग्रंथ लिखा जा सकता है। दुःखी शकुन्तला चित्र में भी मुख पर वेदना जैसे सब कुछ खो जाने का भान अनयास ही दीख पड़ता है।

क्या हम मान सकते हैं कि मौलिकता को दिखाना कला नहीं है? क्या यह सच है? ऐसे ही तमाम प्रश्न उठाए गए थे राजा रवि वर्मा को लेकर के। उनकी कृतियाँ धार्मिक है, उनके कृतियों में संस्कार हुआ करता था, उनके कृतियों में संस्कृति हुआ करता था, उनके कृतियों में समाज हुआ करता था, उनके कृतियों के दर्शक हुआ करते थे उनकी कृतियाँ लोगों के जेहन में उतर गई थीं। बस समस्या यह थी कि उनकी कृतियाँ यथार्थ के धरातल पर थीं फलतः कला में उनके कद को लेकर विवाद हमेशा व्याप्त रहा। जीते जी भी उन्हें कई विवादों से गुजरना पड़ा कोर्ट तक के चक्कर लगाने पड़े और अपना वकील भी खुद ही बनना पड़ा हालांकि तार्किक क्षमता के बल पर जीत भी हासिल हुई। विवाद तब भी था विवाद आज भी है। प्रसंशक तब भी थे प्रसंशक आज भी हैं तब रविंद्र नाथ टैगोर के भतीजे बालेंद्र नाथ टैगोर के जैसे उनके कृतियों के प्रसंशक हुआ करते थे आज आज....

25 वर्षीय युवा बिना किसी प्रशिक्षण के विनया के चित्र प्रदर्शनी में स्वर्ण पदक प्राप्त करता है। लोगों की निगाह यहीं से इनको तरफ को मुड़ती है। इसे एक संयोग ही कहा जा सकता है कि 1872 में चेन्नई में पहली प्रदर्शनी करने वाले वर्मा जी की कृति विनया में 1873 में अपने पहचान के साथ आगे बढ़ी और ठीक 20 साल बाद 1893 में शिकागो में आयोजित वर्ल्ड कोलंबियन एग्जिबिशन में स्वामी विवेकानंद के आग्रह पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने लगभग 10 चित्र प्रदर्शित करते हैं इस प्रदर्शनी की गिनती 19वीं शताब्दी की भव्यतम अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में होती है। रवि वर्मा को पुरस्कृत भी किया गया। 20 वर्षीय संयोग के बाद शतकीय संयोग भी बना और 1993 में उनके चित्रों की एक भव्य प्रदर्शनी राष्ट्रीय संग्रहालय दिल्ली में हुई। प्रदर्शनी के बाद विरोध भी हुआ खुले तौर पर विरोध हुआ आधुनिक भारतीय कलाकार जो उस समय सक्रिय थे, में कुछ खुद को प्रमुख मानने वाले कलाकार राजा रवि वर्मा के इस प्रदर्शनी को लेकर कुछ ज्यादा ही विचलित थे। 'ऐसे कलाकार जिनका कला में कोई योगदान ही ना हो' को इस तरह प्रमोट करने से भारतीय कला को भेला क्या फायदा देखा जाना चाहिए। भाव की ही बात हरिश्चंद्र और तारामती नामक चित्र में भी खूब दर्शित है। तारामति की व्यथित आँखों को देखकर करुण रस से युक्त पूरा ग्रंथ लिखा जा सकता है। दुःखी शकुन्तला चित्र में भी मुख पर वेदना जैसे सब कुछ खो जाने का भान अनयास ही दीख पड़ता है।

क्या हम मान सकते हैं कि मौलिकता को दिखाना कला नहीं है? क्या यह सच है? ऐसे ही तमाम प्रश्न उठाए गए थे राजा रवि वर्मा को लेकर के। उनकी कृतियाँ धार्मिक है, उनके कृतियों में संस्कार हुआ करता था, उनके कृतियों में संस्कृति हुआ करता था, उनके कृतियों में समाज हुआ करता था, उनके कृतियों के दर्शक हुआ करते थे उनकी कृतियाँ लोगों के जेहन में उतर गई थीं। बस समस्या यह थी कि उनकी कृतियाँ यथार्थ के धरातल पर थीं फलतः कला में उनके कद को लेकर विवाद हमेशा व्याप्त रहा। जीते जी भी उन्हें कई विवादों से गुजरना पड़ा कोर्ट तक के चक्कर लगाने पड़े और अपना वकील भी खुद ही बनना पड़ा हालांकि तार्किक क्षमता के बल पर जीत भी हासिल हुई। विवाद तब भी था विवाद आज भी है। प्रसंशक तब भी थे प्रसंशक आज भी हैं तब रविंद्र नाथ टैगोर के भतीजे बालेंद्र नाथ टैगोर के जैसे उनके कृतियों के प्रसंशक हुआ करते थे आज आज....

25 वर्षीय युवा बिना किसी प्रशिक्षण के विनया के चित्र प्रदर्शनी में स्वर्ण पदक प्राप्त करता है। लोगों की निगाह यहीं से इनको तरफ को मुड़ती है। इसे एक संयोग ही कहा जा सकता है कि 1872 में चेन्नई में पहली प्रदर्शनी करने वाले वर्मा जी की कृति विनया में 1873 में अपने पहचान के साथ आगे बढ़ी और ठीक 20 साल बाद 1893 में शिकागो में आयोजित वर्ल्ड कोलंबियन एग्जिबिशन में स्वामी विवेकानंद के आग्रह पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने लगभग 10 चित्र प्रदर्शित करते हैं इस प्रदर्शनी की गिनती 19वीं शताब्दी की भव्यतम अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में होती है। रवि वर्मा को पुरस्कृत भी किया गया। 20 वर्षीय संयोग के बाद शतकीय संयोग भी बना और 1993 में उनके चित्रों की एक भव्य प्रदर्शनी राष्ट्रीय संग्रहालय दिल्ली में हुई। प्रदर्शनी के बाद विरोध भी हुआ खुले तौर पर विरोध हुआ आधुनिक भारतीय कलाकार जो उस समय सक्रिय थे, में कुछ खुद को प्रमुख मानने वाले कलाकार राजा रवि वर्मा के इस प्रदर्शनी को लेकर कुछ ज्यादा ही विचलित थे। 'ऐसे कलाकार जिनका कला में कोई योगदान ही ना हो' को इस तरह प्रमोट करने से भारतीय कला को भेला क्या फायदा देखा जाना चाहिए। भाव की ही बात हरिश्चंद्र और तारामती नामक चित्र में भी खूब दर्शित है। तारामति की व्यथित आँखों को देखकर करुण रस से युक्त पूरा ग्रंथ लिखा जा सकता है। दुःखी शकुन्तला चित्र में भी मुख पर वेदना जैसे सब कुछ खो जाने का भान अनयास ही दीख पड़ता है।

12 अक्टूबर : डॉ. राम मनोहर लोहिया जी की पुण्यतिथि

देश विभाजन के साथ मिली आजादी से दुखी थे डॉ. लोहिया

डॉ. राम मनोहर लोहिया केवल एक चिंतक ही नहीं बल्कि एक सच्चे कर्मवीर भी थे। उन्होंने देश में अनेक सामाजिक, लोकतांत्रिक और राजनीतिक आंदोलनों का कुशल नेतृत्व किया। वर्ष 1942 के %भारत छोड़ो आंदोलन% के समय उन्होंने ब्रिटिश सरकार की नजरों से बचकर, उषा मेहता के साथ मिलकर भूमिगत रहकर गुप्त रेडियो स्टेशन (कांग्रेस रेडियो) चलाया था, जिसने अंग्रेज हुकूमत की नाक में दम कर दिया था। इसके बाद 18 जून 1946 को उन्होंने गोवा को पुर्तगालियों के आधिपत्य से मुक्ति दिलाने के लिए एक बड़ा जन-आंदोलन शुरू किया। इसके साथ ही उन्होंने स्वतंत्र भारत में %अंग्रेजी हटाओ% आंदोलन की भी कमान संभाली।

सांवरमल अग्रवाल

डॉ. राम मनोहर लोहिया केवल खोखले भाषणों पर विश्वास नहीं करते थे। वे -रोजी-रोटी कपड़ा दो, वरना गाड़ी छोड़ दो-, -अंग्रेजी हटाओ- और पिछड़ा, दलितों तथा महिलाओं के लिए 60व आरक्षण की पुर्जोर वकालत करने वाले नेता थे। वे भारत की महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक और एक ऐसे अद्वितीय राजनेता थे, जिन्होंने भारतीय राजनीति में सामाजिक न्याय और समानता की नई नींव रखी थी। लोहिया जी पहली बार 1963 में उत्तर प्रदेश की फर्रुखाबाद लोकसभा सीट के उपचुनाव में विजयी होकर लोकसभा पहुंचे थे। इसके बाद 1967 के आम चुनाव में भी वे फर्रुखाबाद सीट से ही दोबारा सांसद चुने गए। इसी वर्ष 12 अक्टूबर 1967 को नई दिल्ली में उनका निधन हो गया था। उनका जन्म 23 मार्च 1910 को उत्तर प्रदेश के अकबरपुर में एक मारवाड़ी वैश्य परिवार में हुआ था, लेकिन वे प्रारंभ से ही जातिवाद को संकीर्ण सीमाओं को तोड़ने के पक्षधर थे। वे छुआछूत के घोर विरोधी थे और स्वयं को किसी एक जाति के दायरे में बांधकर नहीं रखना चाहते थे। उनके विचार, कर्म और कार्य पद्धति पूरी तरह से मानवीय समानता पर आधारित थे। देश के विभाजन के आधार पर मिली आजादी से वे अत्यंत दुखी थे, इसी कारण उन्होंने जवाहरलाल नेहरू की कांग्रेस से अपना रास्ता हमेशा के लिए अलग कर लिया था।



डॉ. राम मनोहर लोहिया केवल एक चिंतक ही नहीं बल्कि एक सच्चे कर्मवीर भी थे। उन्होंने देश में अनेक सामाजिक, लोकतांत्रिक और राजनीतिक आंदोलनों का कुशल नेतृत्व किया। वर्ष 1942 के %भारत छोड़ो आंदोलन% के समय उन्होंने ब्रिटिश सरकार की नजरों से बचकर, उषा मेहता के साथ मिलकर भूमिगत रहकर गुप्त रेडियो स्टेशन (कांग्रेस रेडियो) चलाया था, जिसने अंग्रेज हुकूमत की नाक में दम कर दिया था। इसके बाद 18 जून 1946 को उन्होंने गोवा को पुर्तगालियों के आधिपत्य से मुक्ति दिलाने के लिए एक बड़ा जन-आंदोलन शुरू किया। इसके साथ ही उन्होंने स्वतंत्र भारत में %अंग्रेजी हटाओ% आंदोलन की भी कमान संभाली।

डॉ. लोहिया एक ऐसे राजनेता थे जो राजनीति में उच्च नैतिक मूल्यों और शुचित्ता के पक्षधर थे। वे राजनीति की गंदी गलियों में भी शुद्ध आचरण की वकालत करते थे। वे सिद्धांतों के इतने पक्के थे कि जब उनकी अपनी ही पार्टी (प्रजा सोशलिस्ट पार्टी) की सहभागिता वाली राज्य सरकार के प्रशासनिक कार्यकाल में आंदोलनकारियों पर गोलीयां चलाई गईं, तो उन्होंने अपनी ही पार्टी के मुख्यमंत्री से तुरंत इस्तीफे की मांग कर दी थी। वे कहते थे कि भारत की राजनीति में तब तक सफाई और शुद्धता नहीं आ सकती, जब तक किसी पार्टी के गलत कार्यों की निंदा उसी दल के कार्यकर्ताओं और समर्थकों द्वारा न की जाए। लोहिया जी ने गर्व से कहा था- 'मुझे यह कहने का पूरा हक है कि हम ही भारत में एक मात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी हैं, जिसने अपनी ही सरकार की गलत नीतियों की निंदा की। सिर्फ निंदा ही नहीं की, बल्कि उसे इस कदर मजबूर किया कि अंततः उस व्यवस्था में बदलाव लाना पड़ा।'

डॉ. राम मनोहर लोहिया पूंजीवाद और साम्यवाद दोनों ही चरम विचारधाराओं के कड़े आलोचक थे। उन्होंने इन दोनों के विकृत के रूप में एक तीसरी विचारधारा- नैतिक व मानवीय मूल्यों पर आधारित लोकतांत्रिक समाजवाद का प्रतिपादन किया था। समाज से हर प्रकार की असमानता को समूल नष्ट करने के लिए उन्होंने %सप्त क्रांति% (सात क्रांतियों) का दर्शन दिया,

जिसके मुख्य बिंदु निम्नलिखित थे- स्त्री और पुरुष के बीच पूर्ण समानता। त्वचा के रंग (नस्ल) के आधार पर होने वाली असमानता के विरुद्ध संघर्ष। जाति और जन्म आधारित ऊँच-नीच का अंत। आर्थिक गैर-बराबरी (अमीरी-गरीबी की खाई) को पाटना। व्यक्तिगत जीवन में विदेशी हस्तक्षेप को रोकना और निजी स्वतंत्रता की रक्षा करना। दुनिया के सभी राष्ट्रों के बीच असमानता के खिलाफ संघर्ष। अस्त्र-शस्त्र (हिंसा) के खिलाफ सत्याग्रह। अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के बाद डॉ. लोहिया उच्च शिक्षा के लिए जर्मनी गए, जहां उन्होंने बर्लिन विश्वविद्यालय से 'नमक सत्याग्रह' विषय पर अपना शोध ग्रंथ लिखा, जिसके आधार पर उन्हें 1932 में पीएचडी (डॉक्टरेट) की उपाधि प्राप्त हुई। वे हिंदी के अतिरिक्त अंग्रेजी, जर्मन, फ्रेंच सहित कई भाषाओं के प्रकांड ज्ञाता थे। वे बहुत कम उम्र में ही आजादी के आंदोलन से जुड़ गए थे और 1936 में कांग्रेस पार्टी के भीतर गठित 'पराग्र विभाग' के पहले सचिव बनाए गए थे। वे सत्ता के विकेंद्रीकरण के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने शासन को लोकतांत्रिक ढंग से चलाने के लिए 'चौखंबा राज्य व्यवस्था' का मॉडल देश के सामने रखा, जिसमें सत्ता के चार स्तंभ- गांव, मंडल (जिला), प्रांत और केंद्र

शामिल थे। उनका मानना था कि इन चारों स्तरों पर शक्ति के समान विभाजन के बिना वास्तविक लोकसत्ता मजबूत नहीं हो सकती। डॉ. लोहिया मौलिक रूप से एक ठेठ देसी चिंतक थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद की राजनीति में वे एक ऐसे विचारक थे जो इतिहास, संस्कृति और अपनी भाषा के संदर्भ में पश्चिम के सिद्धांतों को उधार लेकर व्याख्या करने को कतई राजी नहीं थे। 60 के दशक में देश में उनके द्वारा शुरू किया गया %अंग्रेजी हटाओ आंदोलन% देश के गिने-चुने आंदोलनों में से एक है। उनके लिए भाषा केवल राजनीति का मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्र के स्वाभिमान का प्रश्न और करोड़ों देशवासियों के भीतर आत्मविश्वास जगाने का जरिया थी। वे अक्सर कहते थे कि हिंदुस्तान के साधारण लोग अंग्रेजी न जानने पर लज्जित न हों बल्कि गर्व करें, क्योंकि यह सामंती भाषा है। वे चाहते थे कि भारतीय मानस आत्मा से पूरी तरह भारतीय बने, न कि अंग्रेज। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में लोहिया जी कई बार जेल गए और वहां ब्रिटिश हुकूमत की अमानवीय यातनाएं भी सहें। आजादी से पहले लोहिया के भीतर उनका एक प्रभावशाली सोशलिस्ट गुट था। 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों से मुक्ति मिलने पर वे उत्साहित तो थे, लेकिन विभाजन की भारी कीमत पर मिली इस स्वतंत्रता के कारण वे गहरे अवसाद में थे।



एनएमडीसी भर्ती में देरी पर युवाओं का आंदोलन तेज, अब रायपुर-दिल्ली कूच की तैयारी!

27 प्रतिशत आरक्षण सहित तीन सूत्रीय मांगों को लेकर विधायक लता उसेंडी को सौंपा ज्ञापन

सांसद महेश कश्यप के आश्वासन पर आंदोलन स्थगित, अब 50 सदस्यीय कमेटी के जरिए सरकार तक पहुंचेगी युवाओं की आवाज

दंतेवाड़ा। एनएमडीसी की रा-रू भर्ती प्रक्रिया में हो रही देरी को लेकर युवाओं का आक्रोश अब भी बरकरार है। भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू करने की मांग को लेकर युवाओं ने 12 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक एनएमडीसी के मुख्य गेट पर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया। बस्तर के सांसद महेश कश्यप के आश्वासन के बाद युवाओं ने अपना आंदोलन स्थगित कर दिया। अब अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाने के लिए युवाओं ने आगे की रणनीति तैयार करनी शुरू कर दी है। इसी मिलसिले में आज आंदोलन से जुड़े युवाओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि आंदोलन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी वर्गों को साथ लेकर एक कमेटी का गठन किया जाएगा। इस कमेटी में पक्ष-विपक्ष के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, विभिन्न समाजों, ट्रेड यूनियनों और आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले युवक-युवतियों को शामिल किया जाएगा।

50 सदस्यीय कमेटी में सभी वर्गों को



मिलेगा प्रतिनिधित्व-बैठक में प्रस्ताव रखा गया कि लगभग 50 सदस्यों की कमेटी बनाई जाए, जिसमें सभी राजनीतिक दलों से एक-दो प्रतिनिधि शामिल हों। इसके अलावा बस्तरिया राज मोर्चा, कोथा-कूटमा समाज सहित अन्य सामाजिक संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी प्रतिनिधित्व देने की बात कही गई। बचेली और किरटुल की यूनियनों से भी एक-दो सदस्यों को कमेटी में शामिल करने

की योजना है। आंदोलन को सफल बनाने में योगदान देने वाले युवाओं और युवतियों को भी इस कमेटी में जगह दी जाएगी। कमेटी गठन का उद्देश्य आंदोलन को व्यापक समर्थन दिलाना और एनएमडीसी की भर्ती प्रक्रिया में हो रही देरी के मुद्दे को संगठित तरीके से राज्य एवं केंद्र सरकार के सामने उठाना है। आंदोलन के दौरान युवाओं ने एनएमडीसी प्रबंधन और सांसद महेश कश्यप के समक्ष अपनी मांगें रखी थीं।

सांसद ने युवाओं को आश्वासन दिया था कि उनकी समस्याओं को लेकर राज्य सरकार और केंद्र सरकार के साथ बैठक कर भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू करने की दिशा में पहल की जाएगी। इसके लिए एक कमेटी गठित करने की बात भी कही गई थी। अब युवाओं की ओर से गठित की जा रही कमेटी के प्रतिनिधियों के साथ 29 और 30 अक्टूबर को रायपुर और दिल्ली जाने की तैयारी की जा रही है, ताकि भर्ती प्रक्रिया में हो रही देरी को मुद्दा संबंधित स्तर पर उठया जा सके।

आश्वासन के बाद अब युवाओं को फैसले का इंतजार-एनएमडीसी की रा-रू भर्ती प्रक्रिया में देरी को लेकर युवाओं की मांग स्पष्ट है कि भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू की जाए और अर्थाथियों को लंबे इंतजार से राहत मिले। सांसद के आश्वासन के बाद आंदोलन स्थगित जरूर हुआ है, लेकिन अब युवाओं की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि उनकी मांगों को लेकर सरकार और एनएमडीसी प्रबंधन क्या कदम उठाते हैं।

कोण्डगांव। छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज ने पिछड़ा वर्ग की विभिन्न मांगों को लेकर रविवार, 18 अक्टूबर को कोण्डगांव विधायक लता उसेंडी को उनके निवास पर ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष रमेल दीवान के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में समाज ने तीन प्रमुख मांगों पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए उनके निराकरण के लिए पहल करने की मांग की। समाज की प्रमुख मांगों में पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करना, राष्ट्रीय जनगणना में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की तरह अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए भी अलग कॉलम निर्धारित करना तथा पांचवीं अनुसूची एवं पेसा क्षेत्र में निवासरत मूलनिवासी समाज को नियमानुसार सुविधाएं और अधिकार उपलब्ध कराना शामिल है।

सामाजिक न्याय और अधिकारों की मांग- छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज का कहना है कि पिछड़ा वर्ग की वास्तविक जनसंख्या के अनुरूप प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने और



सामाजिक न्याय की अवधारणा को मजबूत बनाने के लिए इन मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाना आवश्यक है।

इसी उद्देश्य से समाज द्वारा विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में विधायकों एवं सांसदों को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगें शासन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। ज्ञापन सौंपने के दौरान पुलिस विभाग द्वारा सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे। इस अवसर पर संभागीय संगठन महामंत्री नीलकंठ शर्मा, जिला महामंत्री मनोज देवांगन, मुख्य संरक्षक अमित गुप्ता, सलाहकार भारत जैन, कर्मचारी

प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष रामदेव कौशिक, चमन वर्मा, जिला मीडिया प्रभारी कृष्ण मानिकपुरी, विकासखंड प्रमुख हरिशंकर देवांगन, आनंद पवार, डमरुधर यादव, प्रकाश सेठिया, रामरुद्र पटेल, रेवतमल देवांगन, लखेश्वर पांडे, बलदेव शर्मा, देवेंद्र यादव, सोनधर यादव, दलेन्द्र परासर एवं प्रमोद मानिकपुरी सहित समाज के अनेक पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज ने अपनी मांगों के समर्थन में एकजुटता व्यक्त करते हुए जनप्रतिनिधियों से सकारात्मक पहल की अपेक्षा की है।

बस्तर की 150 साल पुरानी मुरिया दरबार परंपरा को मिटाने की साजिश बर्दाश्त नहीं होगी : विधायक विक्रम मंडावी

बीजापुर 75 दिन तक चलने वाले विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा के समापन पर होने वाले पारंपरिक मुरिया दरबार का नाम बदलने की कोशिश बस्तर की आदिम परंपरा, संस्कृति और ऐतिहासिक पहचान को मिटाने का घृणित और सुनियोजित षड्यंत्र है। यह भारतीय जनता पार्टी और उसके नेताओं की ओर से बस्तर के आदिवासियों के अस्तित्व पर सीधा हमला है। विधायक विक्रम मंडावी ने अपने विज्ञापित में कहा कि बस्तर दशहरा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि बस्तर के आदिवासियों की आस्था, अस्मिता और जीवन का आधार है। विधायक विक्रम मंडावी ने अपने विज्ञापित में आगे कहा कि सिरहासार में लगने वाला मुरिया दरबार बस्तर रियासत की उस जीवंत लोक परंपरा का प्रतीक है, जिसमें



मांझी-चालकी और आदिवासी समाज अपनी बात प्रशासन के सामने रखते थे। आज इसे ाम दरबार- कहकर मिटाने की कोशिश न केवल आदिवासियों का अपमान है, बल्कि मां दैतक्षरी का भी अपमान है। विधायक विक्रम मंडावी ने आगे कहा कि भाजपा की यह सोच उसी मानसिकता का हिस्सा है, जो बस्तर की जल-जंगल-जमीन और आदिवासी संस्कृति को अपने हिस्से से तोड़-मरोड़ कर बदलना चाहती है। उन्होंने यह भी कहा इससे पहले

का मशहूर मांझिया चौक का नाम बदला गया अब मुरिया दरबार का नाम बदला जा रहा है, नाम बदलना

कोई छोटी बात नहीं है यह आदिवासियों के ऐतिहासिक पहचान को मिटाने का पहला कदम है। विधायक विक्रम मंडावी ने प्रदेश के आदिवासी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मांग की है कि मुरिया दरबार का नाम बदलने का निर्णय तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। सभी आधिकारिक दस्तावेजों, आमंत्रण पत्रों और कार्यक्रम सूची में केवल 'मुरिया दरबार' ही लिखा जाए। अन्यथा इसे लेकर उग्र आंदोलन करेगा।

बचेली पुलिस की जुआरियों के विरुद्ध कार्रवाई, 04 आरोपी गिरफ्तार, जुआ खेलते पकड़े गए आरोपियों से 18,750 नगद, 52 पते ताश एवं 04 मोटरसाइकिल जब्त

सार्वजनिक स्थानों पर जुआ खेलने वालों के विरुद्ध दंतेवाड़ा पुलिस की लगातार कार्रवाई

दंतेवाड़ा- जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक श्री चंद्र मोहन सिंह (भा.पु.से.) के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जितेंद्र खट्टे (रा.पु.से.) एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस श्री अविनाश ठाकुर के मार्गदर्शन में अवैध जुआ-सट्टा के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना बचेली पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि



ग्राम नेरली में जंगल नाला किनारे कुछ व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर रुपये का दांव लगाकर ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई तथा जुआ खेल रहे 04 व्यक्तियों को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपी: 1. सुनील तेलाम, निवासी धुरली, थाना

भांसी। 2. शंकर लाल, निवासी मैलावाड़ा तरलापारा, थाना कुआरकोड़ा। 3. दीपक मंडावी, निवासी किलेपाल, हाल निवासी रेलवे कॉलोनी, बचेली। 4. विनोद लखेरा, निवासी बैंक कॉलोनी, बचेली। जस सामग्री: पुलिस द्वारा आरोपियों के कब्जे से 718,750 नगद, 52 पते ताश, 02 प्लास्टिक

चटई तथा 04 दोपहिया वाहन जब्त किए गए। जब्त वाहनों में अण्डे मोटरसाइकिल क्रमांक छत 18 र 7078, होल्ड मोटरसाइकिल क्रमांक छत 18 रू 2701, यामाहा क्रक्स मोटरसाइकिल (बिना नंबर) एवं स्कूटी क्रमांक छत 18 र 2620 शामिल है। वैधानिक कार्रवाई: आरोपियों के विरुद्ध थाना बचेली में छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम, 2022 की धारा 3(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। दंतेवाड़ा पुलिस ने अपील: दंतेवाड़ा पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि जुआ-सट्टा सहित किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

पुणे के अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में कोंडागांव के सुशीला शर्मा और मोहन लाल बोगा ने प्रस्तुत किए शोध-पत्र

एआई आधारित अंग्रेजी शिक्षण और शिक्षकों के व्यावसायिक विकास पर रखे विचार



कर अंग्रेजी शिक्षण की आधुनिक पद्धतियों और शिक्षकों के व्यावसायिक विकास पर विचार साझा किए।

एआई से अंग्रेजी शिक्षण को रोचक बनाने पर जोर- सुशीला शर्मा ने 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के

ही ग्रामीण परिवेश के विद्यार्थियों के लिए तकनीक आधारित शिक्षण की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। शिक्षकों के सतत व्यावसायिक विकास पर चर्चा- वहीं, मोहन लाल बोगा ने 'शिक्षक की व्यावसायिक पहचान एवं सतत विकास' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने हिंदी माध्यम की शालाओं में अंग्रेजी शिक्षण के दौरान आने वाली चुनौतियों और उनके संभावित समाधानों पर विचार रखे। उन्होंने बदलते शैक्षणिक परिवेश में शिक्षकों की व्यावसायिक पहचान मजबूत करने, समुदाय से जुड़ने तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और सेमिनारों के माध्यम से निरंतर ज्ञान एवं कौशल विकसित करने के

महत्व को रेखांकित किया। बस्तर के विद्यार्थियों में अंग्रेजी के प्रति रुचि जगाने का प्रयास- सुशीला शर्मा और मोहन लाल बोगा समय-समय पर स्थानीय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन भी करते हैं। उनका उद्देश्य बस्तर जैसे दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों में अंग्रेजी विषय के प्रति रुचि बढ़ाना तथा उन्हें आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से जोड़ना है। अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में दोनों शिक्षकों की सहभागिता से जिले में अंग्रेजी शिक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों और ग्रामीण विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास से जुड़े विषयों को व्यापक मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर मिला।

बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए धाकड़ समाज कल्याण समिति ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिए 21 हजार रुपये

कलेक्टर को सौंपा चेक, अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ठाकुर ने प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की



जगदलपुर। बस्तर में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता के उद्देश्य से बस्तर धाकड़ समाज कल्याण समिति, जिला बस्तर (पंजीयन क्रमांक 10281) ने मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 21 हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की है। समिति के पदाधिकारियों ने कलेक्टर, जिला बस्तर को आवेदन सौंपकर चेक क्रमांक 665013 के

माध्यम से राशि दी। साथ ही आग्रह किया कि निर्धारित प्रक्रिया के तहत राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा कर बस्तर जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए उपयोग सुनिश्चित किया जाए। बाढ़ के दौरान प्रभावित परिवारों को मकानों, घरेलू सामान और आजीविका से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। आपदा के

सहयोग राशि प्रदान की है। समिति के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित परिवारों को राहत देने के साथ उनके पुनर्वास पर भी ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने शासन-प्रशासन से अपील की कि बस्तर जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान का आकलन कर पात्र परिवारों को नियमानुसार राहत एवं पुनर्वास सहायता उपलब्ध कराई जाए। प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाओं और अन्य आवश्यक मूलभूत सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भी प्रभावी कदम उठाए जाएं। नरेंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कि आपदा के प्रभाव से ठगने में प्रभावित परिवारों को समय और सहयोग दोनों की आवश्यकता होती है।

एक ही क्षेत्र में पांच अन्य लोगों पर भी अतिक्रमण के आरोप

सरकारी जमीन पर कथित अतिक्रमण, प्रशासन की चुप्पी पर सवाल! बचेली में कार्रवाई का इंतजार

बचेली। दंतेवाड़ा जिले के बचेली नगर पालिका क्षेत्र में नजूल भूमि और रमशान घाट के भवन पर कथित अतिक्रमण का मामला सामने आया है। आरोप है कि नगरपालिका से लाखों रुपये के निर्माण कार्यों का ठेका लेने वाले एक ठेकेदार द्वारा बीटीओए के पार्किंग स्थल के निर्माण कार्य के साथ-साथ नजूल भूमि और रमशान घाट के भवन पर भी अतिक्रमण किया जा रहा है। रमशान घाट के भवन का इस्तेमाल स्टोर रूम के रूप में किए जाने के आरोप ने मामले को गंभीर बना दिया है। सवाल यह है कि जब नगरपालिका क्षेत्र में कथित तौर पर अतिक्रमण हो रहा है, तो जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं? क्या नगरपालिका प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं है, या फिर जानकारी होने के बावजूद मामले को नजरअंदाज किया जा रहा है? ठेका नगरपालिका से, अतिक्रमण के आरोप ठेकेदार पर। स्थानीय स्तर पर आरोप



लगाए जा रहे हैं कि नगरपालिका जिस ठेकेदार को लाखों रुपये के निर्माण कार्यों का ठेका देती है, उसी ठेकेदार पर सरकारी भूमि और रमशान घाट के भवन पर अतिक्रमण करने के आरोप हैं। यदि इन आरोपों की पुष्टि होती है, तो यह मामला सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा और निर्माण कार्यों की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करेगा। क्या संबंधित ठेकेदार को नजरअंदाज किया जा रहा है? ठेका नगरपालिका से, अतिक्रमण के आरोप ठेकेदार पर। स्थानीय स्तर पर आरोप

है, तो अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या नगरपालिका प्रशासन ने स्थल का निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति जानने का प्रयास किया है? सीएमओ के जवाब ने बढ़ाए सवाल, बोले-एसडीएम से पुष्टि। इस पूरे मामले में बचेली नगरपालिका के मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) का कथित बयान भी चर्चा का विषय है। बताया जा रहा है कि जब अतिक्रमण के संबंध में सीएमओ से फोन पर जानकारी लेने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने इस



मामले में अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) से पूछने की बात कही। अब सवाल यह है कि नगरपालिका क्षेत्र में कथित अतिक्रमण की स्थिति पर नगरपालिका की जिम्मेदारी क्या है? यदि नगरपालिका क्षेत्र में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हो रहा है, तो उसकी निगरानी और शिकायतों पर कार्रवाई की जिम्मेदारी किसकी है? सीएमओ द्वारा एसडीएम से जानकारी लेने की बात कहे जाने के बाद अब यह सवाल उठ रहा है कि आखिर इस मामले में जिम्मेदारी किस

अधिकारी की है और कार्रवाई कब होगी?

एक ही क्षेत्र में पांच अन्य लोगों पर भी अतिक्रमण के आरोप-स्थानीय ग्रामीणों का दावा है कि जिस क्षेत्र में ठेकेदार पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाया जा रहा है, उसी क्षेत्र में पांच अन्य लोगों द्वारा भी अतिक्रमण किया गया है। ग्रामीणों के अनुसार, इन मामलों में भी अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। यदि एक ही क्षेत्र में कई लोगों द्वारा सरकारी भूमि पर

अतिक्रमण किए जाने की शिकायतें हैं, तो जिला प्रशासन को पूरे क्षेत्र का सीमांकन करकर निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। इससे वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी और नियमों के अनुसार कार्रवाई का रास्ता साफ होगा। आदिवासी परिवारों पर सख्ती, तो अन्य मामलों में कार्रवाई क्यों नहीं ग्रामीणों के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि यदि किसी आदिवासी परिवार द्वारा अतिक्रमण किया जाता है, तो प्रशासन तत्काल कार्रवाई करने में सख्ती दिखाता है, लेकिन अन्य कथित अतिक्रमण के मामलों में वैसी तत्परता क्यों नजर नहीं आती?

यह आरोप जांच का विषय है। प्रशासन को सभी मामलों में कानून के अनुसार समान और निष्पक्ष कार्रवाई करनी चाहिए। यदि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की पुष्टि होती है, तो संबंधित व्यक्ति चाहे कोई भी हो, नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। जिला प्रशासन से सवाल-कब



होगी जांच और कार्रवाई?

बचेली में नजूल भूमि और रमशान घाट के भवन पर कथित अतिक्रमण का मामला अब जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन मामले की जांच करता है या नहीं, संबंधित भूमि की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करता है या नहीं और यदि अतिक्रमण की पुष्टि होती है, तो

जिम्मेदार लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाती है। जनता के सवाल सीधे हैं-रमशान घाट के भवन का इस्तेमाल किसकी अनुमति से हो रहा है? सरकारी जमीन पर कथित अतिक्रमण की जांच कौन करेगा? नगरपालिका और एसडीएम की भूमिका स्पष्ट कब होगी? अब बचेली की जनता जिला प्रशासन से जवाब और निष्पक्ष कार्रवाई की उम्मीद कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

मिलावटी मदिरा जब्त
उड़नदस्ते की कार्रवाई



बलरामपुर। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन और जिला आबकारी अधिकारी शशांक शर्मा के मार्गदर्शन में जिले में अन्य प्रांत की मिलावटी मदिरा के विरुद्ध अभियान जारी है। इसी क्रम में जिला स्तरीय आबकारी उड़नदस्ते ने चांदो थाना क्षेत्र के ग्राम खजुरियाडीह में कार्रवाई की। टीम ने 29 वर्षीय आरोपी अरविन्द कुमार, पिता रामचंद्र प्रसाद, के कब्जे से झारखंड राज्य में विक्रय हेतु निर्मित 11.6 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला जब्त किया। मौके से मिलावट के लिए धोकर रखी गई 51 खाली शीशियों और शीशियों को सील पैक करने के लिए 560 ढक्कन भी बरामद किए गए। इससे स्पष्ट है कि आरोपी दूसरे राज्य की मदिरा में मिलावट कर उसे दोबारा पैक करने की तैयारी में था। आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) (क), 34(2), 36 एवं 59 (क) के तहत प्रकरण दर्ज कर विधिवत कार्रवाई की जा रही है। प्रकरण की विवेचना परिवीक्षाधीन आबकारी उपनिरीक्षक श्री मनीष कुमार चंद्रा कर रहे हैं। कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक श्री चन्द्रदीप भगत और श्री अभिषेक राजवाड़े, मुख्य आरक्षक श्री धर्मवीर राम शर्मा, आरक्षक श्री सचिन यादव और श्री प्रभात गुप्ता, महिला नगर सैनिक कलिस्ता एक्का और हेमंती तिकौी तथा वाहन चालक श्री दिनेश यादव शामिल रहे। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध और मिलावटी मदिरा के निर्माण, परिवहन और विक्रय पर जिले में लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

महानवमी पर महामाया मंदिर के छठ
घाट में डूबने से 14 वर्षीय बालक की
मौत, परिवार में मचा कोहराम

रामानुजगंज। शारदीय नवरात्र की महानवमी के दिन सोमवार को रामानुजगंज के मां महामाया मंदिर के सामने स्थित छठ घाट में डूबने से 14 वर्षीय बालक की दर्दनाक मौत हो गई। बालक अपने परिजनों के साथ डाल्टनगंज के बंदूवा से गुब्बारे बेचने रामानुजगंज आया था। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार,



बंदूवा से कुछ लोग अपने बच्चों के साथ रामानुजगंज में गुब्बारे बेचने आए थे। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे तक बच्चे गुब्बारे बेच रहे थे। इसके बाद तीन बच्चे नहाने के लिए मां महामाया मंदिर के सामने स्थित छठ घाट पहुंच गए। इसी दौरान दोपहर करीब एक बजे इरशाद आलम (14 वर्ष), पिता

इस्ताक अंसारी, नहाते समय गहरे पानी में चला गया और डूब गया। उसके साथ मौजूद दो अन्य बच्चों ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद बालक की तलाश शुरू की गई। दोपहर करीब तीन बजे स्थानीय लोगों को मामले की जानकारी मिली, जिसके बाद तत्काल पुलिस अधीक्षक को सूचना दी गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही स्थानीय युवक बालक की तलाश में जुट गए थे। काफी प्रयास के बाद शाम करीब 3:20 बजे बालक का शव पानी से बरामद कर बाहर निकाला गया। नवरात्र के अंतिम दिनों में मां महामाया मंदिर और छठ घाट पर श्रद्धालुओं की आवाजाही के बीच हुई इस हृदयविदारक घटना से माहौल गमगीन हो गया। जिस परिवार के सदस्य रोजी-रोटी के लिए गुब्बारे बेचने रामानुजगंज आए थे, उस परिवार पर अवाक दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। 14 वर्षीय इरशाद की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया।

बेहतर शैक्षणिक परिवेश की ओर अग्रसर राजीव
गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अंबिकापुर। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर अनेक चुनौतियों एवं कठिनायियों को दूर करते हुए अब धीरे-धीरे एक बेहतर, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित शैक्षणिक परिवेश की ओर अग्रसर हो रहा है। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा पिछले कुछ महीनों में किए गए निरंतर प्रयासों के सकारात्मक परिणाम अब परिसर में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं।

कक्षाओं की कमी दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

महाविद्यालय में कक्षाओं की कमी लंबे समय से एक महत्वपूर्ण चुनौती रही है। इसे दूर करने के लिए विभिन्न मर्दों से नए निर्माण कार्य प्रारंभ किए गए हैं। क्लासरूम निर्माण का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है

और आगामी कुछ महीनों में लगभग 15 अतिरिक्त कक्षाएं उपलब्ध हो जाएंगी। भारत सरकार रूपा योजना के अंतर्गत महाविद्यालय में मल्टी पर्सन गर्ल्स सेंटर एवं निर्माण कार्य प्रगति पर है,जिसमें महाविद्यालय की बालिकाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण केंद्र, फिजिकल फिटनेस सेंटर, साईंस एंड टेक्नोलॉजिकल डिजिटल सेंटर, कॉर्रेंस और कोर्चिंग सेंटर रीडिंग हॉल लीगल हेल्प सेंटर,कल्चरल सेंटर सेल्फ डिफेंस सेंटर, गर्ल्स एंड बॉयज टॉयलेट और वॉशरूम तथा साथ ही साथ उसमें दो कार्यालय बनाए जाने की योजना है और यह कार्य निरंतर प्रगति पर है। इससे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को कक्षाओं की कमी से काफी राहत मिलेगी तथा शिक्षण व्यवस्था की और अधिक सुचारु बनाने में सहायता मिलेगी। सीसी कैमरों से सुरक्षित हुआ महाविद्यालय



परिसर- विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं परिसर में अनुशासन को मजबूत करने के उद्देश्य से महाविद्यालय परिसर को सीसी कैमरा निगरानी व्यवस्था से सुरक्षित किया गया है। इससे परिसर की गतिविधियों पर प्रभावी

निगरानी रखने के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिए अधिक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। गणवेश एवं पहचान पत्र की व्यवस्था -महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए गणवेश अनिवार्य किया

गया है। साथ ही प्रत्येक विद्यार्थी को महाविद्यालय की ओर से पहचान पत्र जारी किए गये हैं। इससे विद्यार्थियों की पहचान सुनिश्चित होने के साथ-साथ महाविद्यालय में अनुशासन एवं संस्थागत गरिमा को भी बढ़ावा मिलेगा। हेल्प डेस्क से आगंतुकों को मिलेगी सुविधा-महाविद्यालय के हेल्प डेस्क को अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाया गया है। अब बाहर से आने वाले आगंतुकों को किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए परिसर में भटकने की आवश्यकता नहीं होगी। हेल्प डेस्क के माध्यम से उन्हें आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। विद्यार्थियों की शिकायतों के समाधान पर विशेष जोर--विद्यार्थियों की समस्याओं एवं शिकायतों को सुनने और उनके निराकरण के लिए शिकायत पेटी को सक्रिय किया गया है।

रामानुजगंज में भव्यता के साथ संपन्न हुआ सनातन सेवा समिति का दो दिवसीय नवरात्रि गरबा महोत्सव सीजन-3

पुलिस अधीक्षक वैभव वेंकट रमन ने डांडिया में लिया हिस्सा,प्रतिभागियों का
बढ़ाया उत्साह; विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेताओं को किया गया पुरस्कृत....

रामानुजगंज। नगर के गांधी मैदान में सनातन सेवा समिति, रामानुजगंज द्वारा नवरात्रि के पावन अवसर पर लगातार तीसरे वर्ष आयोजित दो दिवसीय नवरात्रि गरबा महोत्सव सीजन-3 17 एवं 18 अक्टूबर 2026 को भव्यता, उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। आकर्षक साज-सज्जा, पारंपरिक परिधानों, भव्य आतिशबाजी, डांडिया की थाप और बड़ी संख्या में सनातनी समाज के लोगों की उपस्थिति ने इस आयोजन को विशेष बना दिया। नगर में आयोजित होने वाले प्रमुख सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल इस महोत्सव की लोगों ने जमकर सराहना की। कार्यक्रम में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के पुलिस अधीक्षक श्री वैभव वेंकट रमन की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। वे लगातार तीसरी बार इस आयोजन में शामिल हुए। उन्होंने आयोजन स्थल की भव्य सजावट और गरबा के माहौल की सराहना करते हुए कहा कि रामानुजगंज का यह आयोजन उन्हें गुजरात की याद दिलाता है। उन्होंने सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए सनातन सेवा समिति को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई दी। पुलिस अधीक्षक ने अपने उद्बोधन में लोगों को साइबर फ्रेंड से सुरक्षित रहने, यातायात नियमों का पालन करने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोग पुलिस को अपना मित्र और परिवार समझें, पुलिस से डरें नहीं। अच्छे लोगों की सुरक्षा के लिए पुलिस बनी है। समाज के लोगों को पुलिस का सहयोग करते हुए गलत गतिविधियों और गलत कार्यों को रोकने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। अपने संबोधन के बाद पुलिस अधीक्षक ने बच्चों और आयोजन समिति के सदस्यों के साथ डांडिया भी खेला। उनके साथ डांडिया करने का अवसर मिलने पर छोटी-छोटी बच्चियों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य
नागरिकों की रही उपस्थिति

कार्यक्रम में अनुभागीय राजस्व अधिकारी श्री आनंद नेताम, तहसीलदार श्री मनोज पैकरा, जनपद सीईओ श्री रणवीर साई, सनातन सेवा समिति के संरक्षक एवं वरिष्ठ अधिवक्ता श्री अनूप तिवारी, वरिष्ठ व्यवसायी श्री कन्हैयालाल अग्रवाल, श्री जयप्रकाश गुप्ता, श्री अरुण केसरी एवं श्री सीताराम गुप्ता उपस्थित रहे। अन्य उपस्थित जनों में श्रीमती शर्मिला गुप्ता, श्री अजय सोनी, श्री अरविंद दुबे, श्री राकेश गुप्ता, श्री , श्रीमती तारा गुप्ता, श्रीमती ललिता सिंह, पार्षदगण, नगर के गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल रहे। छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट



मंत्री श्री रामविचार नेताम ने वीडियो संदेश के माध्यम से रामानुजगंजवासियों को नवरात्रि एवं गरबा महोत्सव की शुभकामनाएं दीं और आयोजन समिति को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम स्थल पर एलईडी के माध्यम से उनके संदेश का प्रसारण किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने तालियां बजाकर उनके संदेश का स्वागत किया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में
प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा

दो दिवसीय गरबा महोत्सव को विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से भी आकर्षक बनाया गया। इसमें रूफ गरबा, बेस्ट कपल गरबा तथा बेस्ट ड्रेस जैसी श्रेणियों में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन श्री हरिओम कुमार गुप्ता, सुश्री करिश्मा गुप्ता एवं श्रीमती पूजा चौबे द्वारा किया गया। मूल्यांकनकर्ताओं ने विभिन्न श्रेणियों में प्रतिभागियों के प्रदर्शन, पारंपरिक परिधानों और प्रस्तुति का सुक्ष्मता से आकलन किया। रूफ गरबा प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार रास रंग बहू बेटी के संग रूफ को तथा द्वितीय पुरस्कार रुट्स एवं रिदम रूफ को प्रदान किया गया। बेस्ट ड्रेस सीनियर कैटेगरी में प्रथम पुरस्कार. पूजा जायसवाल. मोनिता केसरी , प्रियंका केसरी.अर्चना अग्रवाल .मोना केसरी .नेहा जैन . पूजा जायसवाल .द्वितीय पुरस्कार डॉ. प्रज्ञा जायसवाल तथा तृतीय पुरस्कार श्रीमती रिया केसरी को मिला। बेस्ट ड्रेस जूनियर कैटेगरी में प्रथम पुरस्कार अदवय जायसवाल, द्वितीय पुरस्कार आरवी केसरी तथा तृतीय पुरस्कार तृषा केसरी को प्रदान किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को संस्था द्वारा अपने स्पॉन्सर के माध्यम से पुरस्कृत किया गया। आयोजन में रूफ डांडिया, पारंपरिक वेशभूषा और प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह

प्रज्ञा चंद्रा और नंदिनी नर्दे ने
किया कार्यक्रम का संचालन

कार्यक्रम को व्यवस्थित और आकर्षक बनाए रखने के लिए दोनों दिन बाहर से एंकर आमंत्रित किए गए थे। प्रथम दिवस सुश्री प्रज्ञा चंद्रा तथा दूसरे दिवस सुश्री नंदिनी नर्दे ने अपने प्रभावी संचालन और एंकरिंग से कार्यक्रम को व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाया। दोनों ने प्रतिभागियों और दर्शकों के उत्साह को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य द्वार पर स्थापित भगवान श्री गणेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर आराधना के साथ किया गया। इसके बाद गरबा मैदान के मध्य में मां दुर्गा के चित्र के समक्ष वरिष्ठजनों एवं अतिथियों द्वारा आरती की गई। विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात गरबा महोत्सव प्रारंभ हुआ। भव्य आतिशबाजी ने आयोजन की सुंदरता को और बढ़ा दिया।

महिलाओं और युवाओं में कई
दिनों पहले से रहता है उत्साह

रामानुजगंज में नवरात्रि गरबा महोत्सव को लेकर महिलाओं, युवतियों और युवाओं में कई दिनों पहले से उत्साह देखने को मिलता है। शहर से बाहर पढ़ाई करने या नौकरी के सिलसिले में रहने वाले युवा भी इस आयोजन में शामिल होने के लिए विशेष रूप से घर लौटने का प्रयास करते हैं। उनका कहना है कि नवरात्रि में घर पर पूजा-अर्चना करने के साथ-साथ गरबा कार्यक्रम में शामिल होना और अपने इष्ट-मित्रों से मिलना एक विशेष अवसर होता है, जिसे वे छोड़ना नहीं चाहते। गरबा महोत्सव में भाग लेने वाली महिलाएं और युवतियां हफ्तों पहले से पारंपरिक

परिधानों, डांडिया और आभूषणों की तैयारी शुरू कर देती हैं। कार्यक्रम के कारण नगर में डांडिया से जुड़े कपड़ों, परिधानों और ज्वेलरी की खरीदारी भी बढ़ जाती है। हजारों की संख्या में लोग नगर के विभिन्न दुकानों से खरीदारी करते हैं। इस प्रकार गरबा महोत्सव धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के साथ-साथ स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहन देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

पारिवारिक और सुरक्षित वातावरण
रहा आयोजन का प्रमुख उद्देश्य

आयोजन समिति ने कार्यक्रम स्थल पर अनुशासन और व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक नियम निर्धारित किए थे। समिति का उद्देश्य गरबा में शामिल होने वाली माताओं, बहनों, बच्चों और परिवारों को स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना था। आयोजन के दौरान नगरवासियों का सहयोग और प्रतिभागियों का अनुशासन भी विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। लोगों ने आयोजन की भव्यता, सुव्यवस्थित व्यवस्था और बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी की सराहना की। सनातन परंपराओं, सांस्कृतिक एकता और सामाजिक सहभागिता का संदेश देने वाला यह महोत्सव रामानुजगंज के लिए एक यादगार आयोजन बन गया।

सनातन सेवा समिति के सदस्यों एवं
सहयोगियों का रहा महत्वपूर्ण योगदान

कार्यक्रम को सफल बनाने में सनातन सेवा समिति के शैलेश गुप्ता, सिद्धांत यादव, श्री विवेक यादव एवं शुभम गुप्ता सहित समिति के सभी सदस्यों और सहयोगियों का उल्लेखनीय योगदान रहा। इसके साथ ही श्री आकाश गुप्ता, श्री सारंग, जसू केसरी, श्री आकाश गोद, श्री हर्षित तलवार, श्री निशांत गुप्ता, श्री आशीष गुप्ता, श्री अंकुर केसरी, श्री आर्यन केसरी, श्री आकाश तिवारी, श्री विकास महतो, श्री नयन गुप्ता, श्री अर्पित तिवारी, श्री वतन गुप्ता, श्री दीपक गिरी, श्री आशीष चौबे, श्री शशांक अग्रवाल, श्री सूरज मिश्रा, श्री अश्वर्ष गुप्ता, श्री समीर पांडे, श्री कुमार अमितेश सिंह एवं श्री मोनु ठाकुर ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया। समिति ने आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले स्थानीय व्यवसायियों और प्रायोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इनमें ओम स्टील्स, प्रीति ऑटोमोबाइल्स, संजीवनी हॉस्पिटल, भूमि टेलीकॉम, नित्यांश ट्रेडर्स, कौशल ट्रेडर्स, किसान घर, सुंदरी लाइफस्टाइल, अंश ट्रेडर्स, श्री राम मेडिकल, अंकित गुप्ता तथा फिलिप्स रेडियो एवं फनीचर का सहयोग उल्लेखनीय रहा।

सुर-संगीत संघ ने दी
किशोर कुमार को
सुरमई श्रद्धांजलि



■ नए युवा कलाकारों
को अवसर देना
संस्था की
सराहनीय पहल-
मंजूषा भगत

अंबिकापुर। सुर-संगीत संघ अम्बिकापुर के तत्वावधान में महान गायक किशोर कुमारजी की पुण्यतिथि पर स्थानीय कला केंद्र मैदान में गाता रहे मेरा दिल, द लेबेंडू किशोर दा स्वरांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महापौर माननीया श्रीमती मंजूषा भगत, कुलपति संत गहि़रा गुरु विश्वद्यालय राजेन्द्र लागपाले ने युवा कलाकारों को बधाई व शुभकामनाएं दी तथा संगीत के क्षेत्र में अपना नाम रोशन करने के लिए निरंतर कड़ी मेहनत करते रहने की बात कही। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने इस आयोजन को अद्भुत बताया तथा शहर में लंबे समय बाद ऐसी गीत संगीत की महफ़िल सजने पर खुशी जताते हुए इसे और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम के दौरान अतिथि कलाकार गोपाल पांडेय, चंद्र प्रताप सिंह, स्वनिल जयसवाल तथा मलय भट्टाचार्य, संजीव अर्म, संतोष दास सरल तथा अशिम वर्मा ने अपनी प्रस्तुतियों से सभी बाँध दिया। नवोदित कलाकार विमल मंदिलवार, उन्मेष मिश्रा, राधेश्याम मानिकपुरी, नीतेश पांडेय, राकेश शुक्ला।



20 या 21 अक्टूबर किस दिन दशहरा और दुर्गा विसर्जन शुभ?

हिंदू धर्म के प्रमुख पर्वों में से एक दशहरा का विशेष महत्व है। हर साल आश्विन महीने के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को यह पर्व पूरे देश में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। सदियों से चली आ रही मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन प्रभु श्री राम ने रावण पर विजय प्राप्त की थी। इसी वजह से आज भी दशहरा के दिन रावण का दहन किया जाता है। इसे बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। इसी दिन से शारदीय नवरात्र के पर्व का समापन भी होता है और जो भक्त नौ दिन का उपवास करते हैं वो इसी दिन व्रत का पारण भी करते हैं। इस साल दशहरा के पर्व को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में आइए आपको बताते हैं दशहरा 20 या 21 अक्टूबर, कब मनाया जाएगा और रावण दहन का शुभ मुहूर्त क्या होगा?

इस साल दशहरा की तारीख को लेकर लोगों के दिमाग में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में हम आपको बताते हैं कि दशहरा पर्व 21 अक्टूबर को ही मनाया जाएगा। आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी तिथि आरंभ - 20 अक्टूबर, मंगलवार, दोपहर 12 बजकर 50 मिनट से

आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी तिथि समापन- 21 अक्टूबर को दोपहर में 2 बजकर 11 मिनट पर

यदि हम उदया तिथि की मानें तो यह पर्व 21 अक्टूबर को ही होना चाहिए, लेकिन दशहरा पर्व के लिए हमेशा प्रदोष काल और विजय मुहूर्त देखा जाता है, क्योंकि रावण का दहन इसी मुहूर्त में करना शुभ होता है। इसी वजह से दशहरा पर्व 20 अक्टूबर को ही मनाया शुभ होगा।

दशहरा 2026 रावण दहन का शुभ मुहूर्त दशहरा के दिन विजय मुहूर्त - 20 अक्टूबर - दोपहर 01:59 से दोपहर 02:45 तक अपराह्न पूजा का समय - दोपहर 01:14 से सायं 03:30 तक

श्रावण नक्षत्र आरंभ - 19 अक्टूबर, सायं 03 बजकर 38 मिनट से

श्रावण नक्षत्र समापन - 20 अक्टूबर, सायं 06 बजकर 02 मिनट पर

प्रदोष काल - 20 अक्टूबर, सायं 05:47 से निशिता मुहूर्त - 20 अक्टूबर, रात्रि 11 बजकर 41 मिनट से रात्रि 12 बजकर 31 मिनट तक

चूंकि दशहरा के दिन रावण का दहन प्रदोष मुहूर्त के अनुसार होता है, इसलिए रावण दहन सायं 5 बजकर 47 मिनट के बाद करना शुभ होगा।

विजयदशमी पर्व का महत्व

विजयदशमी का पर्व जिसे दशहरा भी कहा जाता है, हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है। इस दिन को शारदीय नवरात्र की पूर्णता के रूप में मनाया जाता है और इसी दिन प्रभु श्री राम ने रावण पर विजय प्राप्त की थी, इसी वजह से इसे अधर्म पर धर्म की विजय के पर्व के रूप में मनाया जाता है। विजयदशमी का शाब्दिक अर्थ है 'विजय की दशमी' इसका मतलब यह है कि यह असत्य पर सत्य की जीत का संदेश देता है। इस दिन किए जाने वाले रावण दहन का मतलब है बुराईयों का दहन करना। रावण के दस सिर हमारे भीतर के दस नकारात्मक गुणों को दिखाते हैं और उसके पुतले का दहन इन बुरी शक्तियों के दहन को दिखाती है। बुराईयों पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा पर्व वास्तव में विशेष महत्व रखता है, जिसे न सिर्फ देश बल्कि पूरी दुनिया के लोग धूम-धाम से मनाते हैं।



बुराई पर अच्छाई की जीत का महत्वपूर्ण पर्व विजयादशमी

हिंदू धर्म के प्रमुख पर्वों में से एक दशहरा का विशेष महत्व है। हर साल आश्विन महीने के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को यह पर्व पूरे देश में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। सदियों से चली आ रही मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन प्रभु श्री राम ने रावण पर विजय प्राप्त की थी। इसी वजह से आज भी दशहरा के दिन रावण का दहन किया जाता है। इसे बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। इसी दिन से शारदीय नवरात्र के पर्व का समापन भी होता है और जो भक्त नौ दिन का उपवास करते हैं वो इसी दिन व्रत का पारण भी करते हैं।

भारतीय परंपरा में विजयादशमी भगवान श्रीराम की लंका अधिपति रावण के ऊपर विजय के प्रतीक के रूप में मनाया जाने वाला उत्सव है। इस पर्व पर देश भर में अनेकों स्थानों पर राक्षस राज रावण के साथ उसके भाई कुम्भकर्ण और पुत्र मेघनाद के पुतलों का दहन किया जाता है; इसके पूर्व हर कार्यक्रम में रामलीला का मंचन करने की भी परंपरा है। पिछले कई हजार सालों से भगवान श्री राम की रावण पर यह विजय धर्म की अधर्म एवं सत्य की असत्य पर विजय के रूप में स्थापित है। शारदीय नवरात्रि की दशमी तिथि 20 अक्टूबर को पड़ रही है। दशमी तिथि को दशहरे का पर्व मनाया जाता है और रावण के पुतले का दहन किया जाता है।



असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय के महापर्व - विजयादशमी की सांकेतिक शमशाना

विजयादशमी पर शस्त्र पूजा

कई हजार सालों से हमारी संस्कृति में विजयदशमी के पर्व पर शस्त्रों का पूजन एवं नए कार्यों के शुभारंभ की परंपरा भी है। लोगों में वीरत्व एवं पराक्रम भाव को जागृत करने के लिए शस्त्र पूजन का विशेष महत्व है। इसलिए देश भर में इस दिन शस्त्र पूजा की जाती है। भारतीय सेना द्वारा अपने सभी प्रकार के शस्त्रों की पूजा की जाती है। इसके अलावा आम जनमानस भी इस दिन अपने शस्त्रों की पूजा करता है और भगवान से हर काम में भगवान से विजय के आशीर्वाद की कामना करता है।

महिषासुर मर्दिनी का प्रसंग

विजयादशमी के दिन देवी दुर्गा द्वारा महिषासुर का वध भी किया गया था। महिषासुर एक राक्षस था। उसने देवताओं को पराजित कर स्वर्ग पर अधिकार कर लिया था। उसकी शक्ति इतनी प्रबल थी कि देवताओं ने उससे मुक्ति पाने के लिए देवी दुर्गा का आह्वान किया। देवी दुर्गा ने महिषासुर के साथ नौ दिनों तक युद्ध किया और दसवें दिन उसे पराजित किया। इस घटना के उपलक्ष्य में नवरात्रि के दसवें दिन

विजयादशमी का पर्व मनाया जाता है।

करें देवी अपराजिता की पूजा

कहा जाता है रावण के साथ युद्ध करने के लिए युद्ध भूमि में जाने से पहले भगवान श्रीराम ने विजयादशमी के दिन देवी अपराजिता की पूजा की थी। जिससे देवी ने उन्हें युद्ध में विजय का आशीर्वाद दिया था। तभी से विजय प्राप्त करने के लिए विजयादशमी पर देवी अपराजिता की पूजा की जाती है।

इस विधि से करें देवी अपराजिता की पूजा

देवी अपराजिता की पूजा करने के लिए विजयादशमी के दिन सुबह जल्दी स्नान करके शुद्ध हो जाएं। इसके बाद दोपहर के समय विजय मुहूर्त में देवी अपराजिता की विधि-विधान से पूजा करें। पूजा के दौरान देवी माँ को शृंगार के सामान के साथ चूनरी, धूप, दीप, नैवेद्य, अक्षत आदि अर्पित करें। देवी माँ के स्तुति मंत्रों का जाप करें और अंत में घी का दीपक जलाकर श्रद्धा पूर्वक आरती करें।

शमी के पौधे की भी करें पूजा

इस दिन भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए अपराजिता एवं शमी के पौधे की भी पूजा करें। इन पौधों की पूजा करने से लोगों के ऊपर भगवान राम की कृपा हमेशा बनी रहती है। साथ ही माँ लक्ष्मी की भी कृपा सबके ऊपर होती है। विजयादशमी के दिन इन पौधों की पूजा करने से घर में कभी भी धन-धान्य की कमी नहीं होती। घर के सभी सदस्यों के ऊपर माँ लक्ष्मी का आशीर्वाद बना रहता है। सनातन धर्म में किसी भी महत्वपूर्ण कार्य के पहले देवी अपराजिता की पूजा की जाती है।



दशहरा पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं?

दशहरा के दिन भगवान श्री राम की पूजा की जाती है। वहीं, पश्चिम बंगाल की ओर इस दिन माँ दुर्गा की पूजा का विधान है। इसके अलावा, ज्योतिष शास्त्र में ऐसा बताया गया है कि दशहरा के दिन दसों दिशाएं खुली होती हैं। ऐसे में इस दिन कुछ चीजें जरूर करनी चाहिए तो वहीं, कुछ कामों को करने से बचना चाहिए।

- ### दशहरा के दिन क्या करें
- » दशहरा के दिन अपने इष्ट देवी-देवताओं की पूजा अवश्य करें और पूजा के दौरान उन्हें अपराजिता के फूल या फिर शमी की पतियाँ अवश्य चढ़ाएं।
 - » दशहरा के दिन रावण दहन देखने अवश्य जाएं। ऐसा माना जाता है कि रावण दहन देखने से व्यक्ति के भीतर की नकारात्मकता कम होने लगती है।
 - » दशहरा के दिन रावण दहन के बाद उसकी राख या लकड़ी घर में लेकर अवश्य आएँ क्योंकि श्री राम की ऊर्जा से परिपूर्ण मानी जाती हैं ये चीजें।
 - » दशहरा के दिन अगर आपके घर में कोई अजीब-गरीब चीजें तो उनकी पूजा अवश्य करें। अस्त्र-शस्त्रों की पूजा करना भी इस दिन बहुत शुभ मानते हैं।
 - » दशहरा के दिन आपके घर में मौजूद विद्या से जुड़ी चीजें जैसे कि कॉपी-किताब आदि की पूजा भी करनी चाहिए। इससे ज्ञान की प्राप्ति होती है।
 - » दशहरा के दिन झाड़ू का दान करना चाहिए। इससे घर की आर्थिक स्थिति में सुधार होने लगता है और माँ लक्ष्मी की कृपा बरसनी शुरू हो जाती है।

दशहरा के दिन जो चीजें नहीं करनी चाहिए

किसी का भी बुरा करने से बचें

विजयदशमी के दिन किसी व्यक्ति को नुकसान पहुंचाने के बारे में सोचना भी नहीं चाहिए। यह दिन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। इसलिए इस दिन कोई भी गलत काम करने से बचना चाहिए।

पेड़ काटने से बचें

हमारे अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए पेड़-पौधे बेहद अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे में दशहरे के दिन पेड़ काटना शुभ नहीं माना जाता। माना जाता है कि इस दिन पेड़ काटने से व्यक्ति का स्वास्थ्य खराब होता है।

जीव-जंतु को नुकसान न पहुंचाएं

दशहरा के दिन अपने शीक के लिए किसी भी जीव-जंतु की हत्या न करें। माना जाता है कि ऐसा करने से आपका सौभाग्य दुर्भाग्य में बदल जाता है।

किसी स्त्री, बुजुर्ग का अपमान

दशहरा के दिन भूलकर भी किसी स्त्री या बड़े-बुजुर्ग का अपमान नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से माँ लक्ष्मी आपसे रुठ हो सकती हैं।

शराब का सेवन

दशहरा के दिन मांस, मदिरा का सेवन करने से बचना चाहिए।

शुभ फल देते हैं दशहरा के उपाय

आश्विन शुक्ल पक्ष की दशमी का बहुत ही खास महत्व रहता है। इस दिन दशहरा और विजयादशी का पर्व मनाया जाता है। कई लोग इस दिन साधना करते हैं और कई लोग इस दिन ज्योतिष के उपाय करके अपने जीवन को संकटों से उमारते हैं।

दशहरा को विजय दशमी भी कहते हैं। इसी कारण से ज्योतिष में ऐसा बताया गया है कि इस दिन कुछ सरल छोटे-छोटे उपाय करने से हर काम में जीत हासिल की जा सकती है। दशहरा इस साल 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा।

नौकरी के लिए

नौकरी में परेशानी हो तो दशहरे के दिन माता का पूजन कर उन पर 10 फल चढ़ाकर गरीबों में बांटें।

कारोबार के लिए

कारोबार में लगातार घाटा हो रहा हो तो दशहरे के दिन एक नारियल सवा मीटर पीले वस्त्र में लपेटकर एक जोड़ा जनेऊ, सवा पाव मिष्ठान्न के साथ आस-पास के किसी भी राम मंदिर में चढ़ा दें। लाभ मिलेगा।

हर क्षेत्र में विजयी होने के लिए

देवी पर सामग्री चढ़ाते समय ऊँ विजयायै नमः का जाप करें। ये उपाय मध्याह्न शुभ मुहूर्त में करें। निश्चित ही हर क्षेत्र में विजय मिलेगी।

कोर्ट-कचहरी से मुक्ति के लिए

दशहरे के दिन शमी के पेड़ के नीचे दीपक जलाने से सभी तरह के कोर्ट केस से मुक्ति मिलती है। शमी के पेड़ के नीचे दीपक जलाने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

सेहत के लिए

बीमारी या संकट हटाने के लिए एक साबूत पानीदार नारियल लें और उसे अपने उपर से 21 बार वारकर किसी रावण दहन की आग में डाल दें। ऐसा घर के सभी सदस्यों के उपर से वारकर करेंगे तो उत्तम होगा।

धन-समृद्धि के लिए

दशहरे के दिन शाम को माता लक्ष्मी का ध्यान करते हुए मंदिर में झाड़ू दान करने से धन और समृद्धि बढ़ती है।

आर्थिक उन्नति के लिए

दशहरे के दिन से लेकर लगातार 43 दिनों तक कुत्ते को प्रतिदिन बेसन के लहू खिलाएं। इससे आपकी धन संबंधित समस्याएं दूर होंगी।

संकट से मुक्ति के लिए

दशहरे पर सुंदरकांड की कथा कराने से सभी रोग और मानसिक परेशानियां दूर हो जाती हैं।

शुभता के लिए

मान्यताओं अनुसार दशहरे पर रावण दहन के बाद गुप्त दान करना बेहद शुभ माना गया है।

सकारात्मक ऊर्जा के लिए

दशहरे के दिन एक फिटकरी के टुकड़े को सभी घर के सदस्यों पर से वार कर उसे छत या सुनसान जगह पर खुद से पीछे की ओर अपने ईष्टदेव का ध्यान करते हुए फेंक दें। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की हर प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है।

शुभता और विजय के लिए

श्रीराम ने रावण का वध करने के पूर्व नीलकंठ को देखा था। नीलकंठ को शिवजी का रूप माना जाता है। अतः दशहरे के दिन इसे देखना बहुत ही शुभ होता है।

बेटियों के जन्म से शिक्षा-दीक्षा और उज्ज्वल भविष्य तक सहयोग का संकल्प

नवमी पर विधायक रिकेश ने किया 101 नवजात कन्याओं का पूजन, 11-11 हजार का सुरक्षा किट भेंट



भिलाई नगर। नवरात्रि की नवमी के पावन अवसर पर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने लोकांगन परिसर में मां नवदुर्गा के नौ स्वरूपों के सांनिध्य में सपत्नीक 101 नवजात कन्याओं का पूजन किया। इस दौरान परिसर में उपस्थित सैकड़ों कन्याओं को भोजन कराया गया। पूजन के पश्चात सभी 101 नवजात कन्याओं की माताओं को 11-11 हजार रुपये मूल्य की मां शिशु सुरक्षा किट भेंट की गई।



से जन्म लेने वाली प्रत्येक कन्या को मां शिशु सुरक्षा किट प्रदान की जा रही है। इस अभियान के तहत अब तक 300 से अधिक कन्याओं का पंजीयन हो चुका है। भाजपा कार्यकर्ता नवजात बच्चियों के घर ढोल-बाजे और नगाड़ों के साथ पहुंचकर परिवार के बीच बेटी के जन्म की खुशियां मनाते हैं। उल्लेखनीय है कि विधायक सेन ने अपने जन्मदिन 10 अगस्त को भी 51 नवजात कन्याओं को

यूनिवर्सल रेल मिल के कार्मिक कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित



भिलाई । सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) में शिरोमणि पुरस्कार योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट, सुरक्षित एवं अनुकरणीय कार्य निष्पादन के लिए सात कार्मिकों को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कर्म शिरोमणि पुरस्कार प्राप्त करने वाले कार्मिकों में किशोर सिंह (जेईए), संतोष वर्मा (जेई), राजेश कुमार पंडित (ईए), बसंत कुमार मांडी (ईए), सोमन चक्रवर्ती (जेईए), टाटीकोंडा कर (ईए) तथा हेमंत कुमार खुटेले (ईए) शामिल हैं। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (यूआरएम) शिशिर सुक्ला ने

बरपाली में दो ट्रेलरों की जोरदार भिड़ंत, चालक स्टेयरिंग में फंसा

बागीनों ने रस्सी और दूसरे ट्रक की मदद से निकाला बाहर, गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर



बलौदा बाजार। गिघौरी-बलौदाबाजार मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग 130 वीं में ग्राम बरपाली घान मंडी के पास गुरुवार शाम करीब 4 बजे दो ट्रेलरों के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में एक ट्रेलर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चालक स्टेयरिंग में बुरी तरह फंसा गया और दर्द से तड़पता रहा। घटना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए रस्सी और दूसरे ट्रक की मदद से दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर में फंसे चालक को काफ़ी मशकत के बाद

बाहर निकाला। इसके बाद उसे एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसडोल भेजा गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे बलौदाबाजार रेफर कर दिया। घायल चालक की पहचान कांती कुमार,

निवासी ग्राम नुनेरा, जिला कोरबा के रूप में हुई है। हादसे ट्रेलर क्रमांक सीजी 15 ईएफ 7343 चला रहा था। हादसे में उसकी कमर, हाथ और एक पैर में गंभीर चोटें आई हैं। वह बेहोशी की हालत में बताया गया है। वहीं, दूसरे ट्रेलर क्रमांक सीजी 13 ए डब्ल्यू 9475 का चालक सुरक्षित बताया गया है। सूचना मिलते ही गिघौरी पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे की जांच शुरू की। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात बहाल करने के लिए क्रेन की व्यवस्था की जा रही थी।

रामलीला में रमे कोरबावासी, हनुमान अंश फिल्म के अभिनेता शोभिनव सत्य रहे प्रमुख आकर्षण

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा 15 अक्टूबर से आयोजित की जा रही रामलीला के दूसरे दिवस प्रमुख आकर्षण हनुमान अंश मूवी के नायक शोभिनव सत्य रहे। उन्होंने मंच पर अपनी उपस्थिति प्रदान करते हुये श्रद्धालुजनों, उपस्थित नागरिकों को आशीर्वाचन दिया। उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने श्रीरामलला जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर व पूजा अर्चना कर रामलीला का शुभारंभ कराया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजुदेवी राजपूत, सभापति नूतन सिंह ठाकुर, आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, जुद्धावन सिंह ठाकुर, चन्द्रकिशोर श्रीवास्तव सहित मेयर इन कार्डसिल के सदस्यगण, पार्षद व एल्लेमेनगण विशेष रूप से उपस्थित थे।



नगर पालिक निगम द्वारा 15 अक्टूबर से 06 दिवसीय रामलीला का आयोजन भंडास स्थित ओपन थियेटर मैदान में किया जा रहा है। आयोजन के दूसरे दिवस आज हनुमान अंश मूवी में बाबा नीब करौली के किरदार को निभाने वाले नायक शोभिनव सत्य ने अपनी पूर्ण उपस्थिति मंच को प्रदान की। इस मौके पर श्रीसीता राम के साथ अपने उद्घोषण की शुरुआत करते हुये शोभिनव सत्य

ने कहा कि मैं पहले कुछ नहीं था, जो भी किया वह सब हनुमान जी ने किया, नीब करौली बाबा ने किया। उन्होंने बाबा नीब करौली का संदेश देते हुये कहा कि बाबा तीन शिक्षाएं देते थे, उनकी पहली शिक्षा थी कि सबसे प्रेम करें व उनकी सेवा करो, दूसरी शिक्षा थी भूखे को भोजन अवश्य कराओ तथा तीसरी शिक्षा थी राम का नाम लो। शोभिनव सत्य ने कहा कि अगर आप ने इन बातों

शहर के विभिन्न उद्यानों का 41.37 लाख रुपये से होगा संधारण एवं सौंदर्यीकरण, महापौर अलका बाघमार ने किया भूमिपूजन

दुर्ग। नगर पालिक निगम।सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर के वाई क्रमांक 39 में उद्यानों के संधारण एवं सौंदर्यीकरण कार्य को गति देने के उद्देश्य से 41.37 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का महापौर अलका बाघमार ने सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, पर्यावरण विभाग प्रभारी काशीराम कोसरे, एमआईसी सदस्य ज्ञानेश्वर ताम्रकर, पाण्डे गुलाब वर्मा, मनीष कोठारी, उपअध्यक्षता पंकज साहू सहित वाई के नागरिकों की उपस्थिति में भूमिपूजन किया। इस कार्य के पूर्ण होने से शहर के विभिन्न उद्यानों की स्थिति बेहतर होगी तथा नागरिकों को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उद्यानों का संधारण



एवं सौंदर्यीकरण होने से बच्चों, बुजुर्गों और परिवारों को सुबह-शाम भ्रमने, बैठने तथा समय बिताने के लिए बेहतर स्थान मिल सकेगा।

प्रार्थमिकता है। उद्यान शहर की सुंदरता बढ़ाने के साथ ही नागरिकों के स्वास्थ्य और मनोरंजन के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। इसी उद्देश्य से उद्यानों के संधारण एवं सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण एवं विकास कार्य निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं, ताकि नागरिकों को

भिलाई इस्पात संयंत्र को बेचने की योजना संबंधी खबरें असत्य एवं भ्रामक; अप्पाहॉ पर विश्वास न करने की अपील

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) ने सोशल मीडिया तथा कुछ प्रिंट मीडिया प्रकाशनों में भिलाई इस्पात संयंत्र को बेचने की योजना के संबंध में प्रसारित हो रही खबरों को असत्य एवं भ्रामक बताया है। इस्पात मंत्रालय ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से इन दावों का खंडन किया है। साथ ही, प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की फैक्ट चेक इकाई ने भी इन खबरों को झूठ और निराधार बताया है। भिलाई इस्पात संयंत्र ने अपने कर्मचारियों, निवेशकों तथा छत्तीसगढ़ की जनता से अपील की है कि वे ऐसी अशुभ सूचनाओं पर विश्वास न करें और न ही उन्हें आगे प्रसारित करें। सभी से अनुरोध है कि सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों पर किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले आधिकारिक एवं प्रमाणित स्रोतों से उसकी पुष्टि अवश्य करें। भिलाई इस्पात संयंत्र केवल एक औद्योगिक प्रतिष्ठान नहीं है, बल्कि यह छत्तीसगढ़ की पहचान, गौरव

युवाओं के भविष्य और गांव की शांति के लिए ग्रामीणों ने ग्रामसभा में सर्वसम्मति से लिया निर्णय

दिनकरपुर में अवैध शराब बेचने पर 10 हजार का जुर्माना, सूचना देने वाले को मिलेगा 5 हजार का इनाम



सार्वजनिक कार्यक्रमों में नशा कर व्यवधान डालने पर भी होगी कार्रवाई

धमतरी -जिले के नगरी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मुनाईकेरा का आश्रित ग्राम दिनकरपुर में अवैध शराब की बिक्री और नशाखोरी पर रोक लगाने के लिए ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। गांव में बिगड़ते सामाजिक माहौल, युवाओं के भविष्य और ग्राम व्यवस्था को ध्यान में रखते

हुए ग्रामीणों ने अवैध रूप से कच्ची शराब बनाने और बेचने वालों पर 10 हजार रुपये का दंड लगाने तथा इसके सूचना देने वाले व्यक्ति को 5 हजार रुपये का इनाम देने का निर्णय लिया है। ग्रामीणों की इस पहल को गांव में शांति, सामाजिक सद्भाव और बेहतर वातावरण बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 18 अक्टूबर को शीतला प्रांगण में आयोजित बैठक में समस्त ग्रामीणों की उपस्थिति में ग्रामसभा के माध्यम

से शराबबंदी एवं नशाखोरी पर नियंत्रण को लेकर यह निर्णय लिया गया। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि गांव में अवैध रूप से कच्ची शराब बनाने और बेचने पर प्रतिबंध रहेगा। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थलों और सामाजिक कार्यक्रमों में नशे की हालत में पहुंचकर व्यवधान उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध भी ग्राम व्यवस्था के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। अवैध शराब की गतिविधियों की जानकारी सामने लाने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने के

लिए 5 हजार रुपये का इनाम निर्धारित किया गया है। इससे पहले 15 अक्टूबर को दिनकरपुर के ग्रामीणों ने दुर्गाली थाना पहुंचकर गांव में शांति, सुरक्षा और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने में सहयोग की मांग करते हुए थाना प्रभारी की लिखित पत्र भी सौंपा था। ग्रामीणों का उद्देश्य गांव में नशे से जुड़ी समस्याओं पर अंकुश लगाना और ऐसा वातावरण तैयार करना है, जिससे युवा पीढ़ी नशे से दूर रहकर सामाजिक एवं रचनात्मक

गतिविधियों की ओर आगे बढ़ सके। दिनकरपुर में लिए गए इस निर्णय को लेकर क्षेत्र के सामाजिक मुखियाओं ने ग्रामीणों की पहल की सराहना करते हुए इसे अन्य गांवों के लिए भी प्रेरणादायक बताया। ग्रामीणों का मानना है कि गांव में शांति और सुव्यवस्था बनाए रखने के लिए सामूहिक सहभागिता आवश्यक है। सभी ग्रामीणों की सहमति से लिया गया यह फैसला सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक जिम्मेदारी का संदेश देता है।